शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 139 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ब्रिगेड परेड मैदान में गीता पाठ करेंगे एक लाख लोग पेज 2
विकसित भारत संकल्प यात्रा में पीयूष हजारिका ने लिया हिस्सा पेज 3
मोदी के नेतृत्व में भारत जल्द ही बनेगा तीसरी बड़ी आर्थिक ... पेज 5
विकलांगों-विधवाओं के बीच एकता और सशक्तिकरण को... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक समझदार आदमी को सारस की तरह होश से काम लेना चाहिए और जगह, वक्त और अपनी योग्यता को समझते हुए अपने कार्य को सिद्ध करना चाहिए।

- आचार्य चाणक्य

मुसलमान हमारे बड़े भाई, पहले उनका सशक्तिकरण जरूरी : सीएम

नई दिल्ली / गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस की ओबीसी पॉलिटिक्स और जातिगत जनगणना समेत विपक्षी इंडिया गठबंधन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुझे ताज्जुब होता है जब कांग्रेस पार्टी सिर्फ हिंदुओं की जातिगत जनगणना की बात करती है। क्या मुस्लिम समाज की जातिगत जनगणना नहीं होनी चाहिए? हिमंत ने कहा कि हम असम में जातिगत जनगणना पर काम कर रहे हैं। हमने अपने राज्य में जातिगत जनगणना शुरू कर दी है। मुस्लिम समाज में कितनी जातियां हैं, इसकी भी गणना होनी चाहिए। क्या सिर्फ जातिगतण जनगणना हिंदुओं के बीच ही होनी चाहिए। हमने अपने मुस्लिम भाइयों की भी जनगणना करने की पहल की है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि देश में मुस्लिमों के बीच जातिगत जनगणना कराए जाने की जरूरत है। तभी तो मुस्लिमों को सशक्त किया जा सकेगा विपक्ष का क्या है, जब भी जाति की बात आती है, वे हिंदुओं की तरफ उंगली लगा देते हैं। लेकिन देश को सबसे ज्यादा जरूरत मुस्लिमों की जनगणना कराने की है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू हमारे भाई हैं लेकिन मुसलमान बड़ा भाई है। उनका सशक्त होना ज्यादा जरूरी है। विपक्ष देश को गुमराह करता है। अब देश का हिंदू जाग चुका है, अब हिंदू बंटेगा नहीं। हम एक हैं, दो भाई है- हिंदू और मुसलमान। हिमंत ने कहा कि राहुल गांधी जितने स्मार्ट बनते हैं, उतने स्मार्ट हैं नहीं। उनका दांव मध्य प्रदेश -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने बंद किए 1281 मदरसे अब उनकी जगह चलेंगे इंग्लिश स्कूल

गुवाहाटी। असम की हिमंत विश्व सरकार ने राज्य में सरकारी मदद से चलाए जा रहे 1281 मदरसे बंद करके उनकी जगह इंग्लिश स्कूल खोल दिए हैं। इसके लिए सरकार ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। अब इन मदरसों में इस्लामी शिक्षा की जगह सामान्य विषयों की पढ़ाई होगी। असम सरकार के 1281 मदरसों को बंद करने के निर्णय को बताते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा कि सभी सरकारी और प्रांतीय मदरसों के स्कूलों में सेबा (असम सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड) के तहत आज असम शिक्षा विभाग ने 1281 माध्यमिक शिक्षा मदरसों को माध्यमिक शिक्षा स्कूलों में बदलने को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। असम सरकार द्वारा जारी की गई लिस्ट के अनुसार सर्वाधिक मदरसे असम-बांग्लादेश सीमा पर बसे जिले धुबड़ी में बंद किए गए हैं। इनकी संख्या 268 है। इसके अलावा बरपेटा, नगांव और ग्वालपाड़ा आदि में भी बड़ी संख्या में मदरसे बंद किए गए हैं। इन जिलों में बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों की भी भरमार रही है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पहले ही कह चुके हैं कि वह राज्य के सभी मदरसे बंद करना -शेष पृष्ठ दो पर

बड़े भाई ने गुप्तांग काटकर ले ली जान

बजाली (हि.स.)। बजाली के भवानीपुर कटला मैदान में एक युवक ने अपने भाई का गुप्तांग (लिंग) काटकर उसकी जान ले ली। पुलिस ने बताया कि लिंग काट दिए जाने के कारण धनजीत रॉय नामक व्यक्ति की मौत हो गई। धनजीत रॉय के बड़े भाई प्रांजल रॉय का आरोप है कि उसकी पत्नी के साथ लंबे समय से उसका अवैध संबंध था। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। उसी झगड़ा में धनजीत रॉय का गुप्तांग काट दिया। धनजीत रॉय की मौत हो गई। भवानीपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। इस बर्बरता से पूरा इलाका दहल गया है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मू को कार्बी युवा महोत्सव के लिए किया आमंत्रित

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 50वें कार्बी युवा महोत्सव में भाग लेने के लिए निमंत्रित किया। यह त्यौहार कार्बी लोगों की विरासत का एक जीवंत उत्सव है। यह 12 जनवरी से शुरू होकर 19 जनवरी तक चलेगा। कार्बी यूथ फेस्टिवल को भारत के सबसे पुराने जातीय त्योहार के रूप में जाना जाता है। हर साल असम के डिफू शहर के बाहरी इलाके तारालांग्सो में यह आयोजित किया जाता है। कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य, तुलीराम रोंगहांग ने इस त्योहार के आगामी स्वर्ण जयंती समारोह के लिए बहुत उत्साह दिखाया है। कार्बी यूथ फेस्टिवल -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बेकरी में ब्लास्ट छह की हालत गंभीर

हैदराबाद (हि.स.)। रंगारेड्डी जिले के राजेंद्रनगर में बेकरी की रसोई में गैस सिलेंडर दुर्घटनावश फट गया। इस हादसे में 15 लोग घायल हो गए। इनमें से छह की हालत गंभीर बताई गई है। घायलों को पहले शमसाबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया गया लेकिन बहत्तर इलाज के लिए स्थानांतरित कर डीआरडीओ अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, हैदराबाद के विजयराम और नानी नाम के दो व्यक्ति राजेंद्रनगर के औद्योगिक क्षेत्र में बेकरी चला रहे हैं। यहां करीब 100 कर्मचारी काम कर रहे हैं। यह -शेष पृष्ठ दो पर

सुरक्षा में सेंध पर आठ सुरक्षाकर्मी निलंबित

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में सेंध के मामले में आठ सुरक्षाकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। जिन लोगों को निलंबित किया गया है, वे अलग-अलग एजेंसियों के हैं। इन्हें डिपुटेशन में संसद की सुरक्षा में लगाया गया है। इनमें वे चार लोग भी शामिल हैं, जो उस समय ठीक उसी दीर्घा में मौजूद थे जहां से दो युवकों ने सदन के भीतर छलांग लगाई थी। बुधवार को लोकसभा में दर्शक दीर्घा से दो युवकों के एक के -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में 64 लोगों के शव परिजनों को सौंपे गए

इंफाल। गत मई में राज्य में जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से मणिपुर के मुर्दाघरों में रखे कुकी और मैतई समुदाय के 64 पीड़ितों के शवों को कड़ी सुरक्षा के बीच परिजनों को सौंप दिया गया। जेएनआईएमएस और रिम्स अस्पतालों रखे कुकी समुदाय के 60 सदस्यों और आदिवासियों के प्रभुत्व वाले जिले चूड़चंदपुर के मुर्दाघर में रखे मैतई समुदाय के चार लोगों के शव कड़ी सुरक्षा के बीच इंफाल लाए गए और अंतिम संस्कार के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

शाही ईदगाह का भी होगा सर्वे, एचसी से मिली मंजूरी

मथुरा। मथुरा की श्री कृष्ण जन्म भूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला आ गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर के एएसआई सर्वे को मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने शाही ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण के लिए अदालत की निगरानी में एक एडवोकेट कमिश्नर की नियुक्ति की मांग स्वीकार कर ली है। एडवोकेट कमिश्नर वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के जरिए सर्वेक्षण कर सकेंगे। एडवोकेट कमिश्नर कौन होगा और कब से सर्वेक्षण शुरू होगा, इस पर हाईकोर्ट 18 दिसंबर को सुनवाई करेगा। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने बताया, एडवोकेट कमिश्नर की नियुक्ति हम जारी कर रहे हैं। कोर्ट ने शाही ईदगाह परिसर के एएसआई सर्वे को मंजूरी दे दी है। हालांकि, एएसआई सर्वे कब से होगा, कितने लोग इसमें शामिल होंगे, ये सब 18 दिसंबर को तय होगा सभी पक्षों की राय सुनने के बाद ही अदालत इस मामले में अपना फैसला सुनाएगी। 18 दिसंबर को ही यह तय होगा कि एडवोकेट कमिश्नर कौन तय होगा और सर्वेक्षण कब से शुरू होगा। सुरक्षा के क्या इंतजाम होंगे और पूरे सर्वेक्षण का स्वरूप क्या होगा। हिंदू पक्ष के भगवान श्री कृष्ण विराजमान कटरा केशव देव की तरफ से याचिका दाखिल की गई थी। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच इस मामले में फैसला सुनाया है। अदालत ने इस अर्जी पर सुनवाई पूरी होने के बाद 16 नवंबर को अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया था। कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति के बाद हाईकोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

बिजनेस आर्थिक के साथ पर्यावरणीय मुनाफे पर भी दें ध्यान : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर गुरुवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने इस बात के महत्व को रेखांकित किया कि बिजनेस केवल आर्थिक मुनाफे के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरण की दृष्टि से भी मुनाफे में होने चाहिए। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने आज विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार, राष्ट्रीय ऊर्जा कार्यकुशलता पुरस्कार और ऊर्जा संरक्षण पर आयोजित राष्ट्रीय पेंटिंग प्रतिस्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी का स्वास्थ्य और खुशहाली प्रकृति के अच्छे स्वास्थ्य बनाए रखने में है। अगर हम संसाधनों का उचित उपयोग करेंगे तो सभी की ऊर्जा जरूरतों को -शेष पृष्ठ दो पर

संसद में सुरक्षा चूक मामले को संवेदनशीलता से लें : पीएम

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को स्मोक कांड को लेकर पूरे देश में हलचल मची हुई है। संसद में सुरक्षा के चूक के मामले में सीआरपीएफ के डीजी के नेतृत्व में जांच कमेटी का गठन किया गया है। पुलिस भी इस मामले की पूरी तत्परता से जांच कर रही है। इसे लेकर गुरुवार को संसद में हंगामा मचा। दूसरी ओर, आज सुबह वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि संसद को सुरक्षा चूक के मुद्दे को संवेदनशीलता से लेना चाहिए। स्पीकर को जो जरूरी लगे, वो कदम उठाएं। वह भी स्पीकर से इस बारे में बात करेंगे। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मंत्रियों से बुधवार की संसद सुरक्षा उल्लंघन की घटना को गंभीरता से लेने को कहा। बुधवार को 2001 के संसद आतंकवादी हमले की बरसी पर सुरक्षा उल्लंघन का बड़ा मामला -शेष पृष्ठ दो पर

दबाव के बावजूद लड़ाई जारी रहेगी : नेतन्याहू

तेल अवीव (हि.स.)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कर दिया है कि अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद हमास के खिलाफ इजराइल की लड़ाई को कोई नहीं रोक सकता। इजराइल इस लड़ाई को अंत तक जारी रखेगा और इसे रोकने का कोई सवाल नहीं है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी वीडियो संदेश में अपना रुख साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि अपने सैनिकों को खोने की भारी पीड़ा और अंतर्राष्ट्रीय दबाव -शेष पृष्ठ दो पर

संसद अटैक : सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजे गए चारों आरोपी

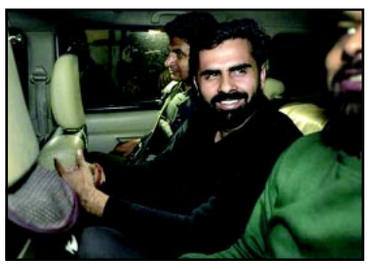

नई दिल्ली। संसद पर कलर स्प्रे से हमला करने वाले चारों आरोपियों को अदालत ने सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट से 15 दिन की रिमांड की मांग की थी। पटियाला हाउस कोर्ट की तरफ से सात दिन की रिमांड मंजूर की गई। साथ ही कहा गया कि रिमांड को जरूरत पड़ने पर आगे बढ़ाया जा सकता है। अभियोजन पक्ष ने गिरफ्तार किए गए चार लोगों पर आतंकवाद का आरोप लगाया है। कहा गया है कि चारों ने डर पैदा करने की कोशिश की। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं के -शेष पृष्ठ दो पर

बड़ा झटका : ट्रूडो सरकार ने वर्क परमिट बढ़ाने पर लगाई रोक

ओटावा। कनाडा गए छात्रों को एक और बड़ा झटका लगा है। ट्रूडो सरकार ने वर्क परमिट बढ़ाने पर रोक लगा दी है। 31 दिसंबर के बाद अब वर्क परमिट नहीं बढ़ेगा। इस फैसले के बाद कनाडा में कुल 23 लाख छात्र प्रभावित होंगे। कनाडा सरकार ने कनाडा पोस्ट ग्रेजुएट वर्क परमिट को आगे बढ़ाने से इंकार कर दिया है। बता दें कि इस समय करीब 14 लाख स्टूडेंट्स कनाडा में पोस्ट ग्रेजुएट वर्क परमिट पर काम कर रहे हैं और सरकार के इस सख्ती फैसले से इन्हें अगले साल अपने मूल देशों में वापस जाना पड़ सकता है। वर्क परमिट पर काम कर रहे पंजाब से गए स्टूडेंट्स का आंकड़ा -शेष पृष्ठ दो पर

2024 में महिला वोटरों के पास होगी 49 फिसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। सत्ता की कुंजी महिला वोटरों के पास है। पिछले एक दशक में महिला वोटरों की संख्या लगातार बढ़ रही है और इसका असर विधानसभा चुनावों में साफ तौर पर दिखने लगा है। महिला वोटरों की बढ़ती संख्या आने वाले दिनों में और तेज होने वाली है। वर्ष 2024 के आम चुनाव तक देश के कुल वोटरों की संख्या में 49 फीसद महिलाओं की होगी। वर्ष 2049 तक तक तो देश के कुल वोटरों में महिलाओं की संख्या 55 फीसद होगी और 45 फीसद पुरूष होंगे। यह बात गुरुवार (14 दिसंबर) को एसबीआई की तरफ से जारी एक विशेष रिपोर्ट में कही गई है। रिपोर्ट ने आंकड़ों के जरिए परोक्ष तौर पर यह भी बताया है कि हाल ही में संपन्न मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव में पूर्व पीएम शिवराज सिंह चौहान की तरफ से घोषित लाड़ली बहना योजना की वजह से यह आकलन किया गया है कि भाजपा को 30-35 विधान सभा सीटों पर जीत मिली है। रिपोर्ट ने इस बात की तरफ भी ध्यान आकर्षित करवाया है कि कैस देश की इकोनमी में -शेष पृष्ठ दो पर

संसद अटैक : विपक्ष का हंगामा, 14 सांसद निलंबित

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में गुरुवार को विपक्ष ने संसद की सुरक्षा में हुई चूक का मुद्दा उठाया और हंगामा किया। विपक्ष प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से इस पर संसद में बयान चाहता था। इसके लिए सदन में नारेबाजी की गई और प्लेकार्ड दिखाए गए। विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा से 13 सदस्यों और राज्यसभा से एक सदस्य को शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया गया। राज्यसभा की कार्यवाही हंगामे के चलते पहले कई बार स्थगित हुई। इस दौरान तृणमूल सांसद डेरेक ओ-ब्रायन को उनके अनुचित आचरण के चलते निलंबित किया गया। हालांकि वे सदन में बैठे रहे। इस दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ब्रिगेड परेड मैदान में गीता पाठ करेंगे एक लाख लोग

कोलकाता (हि.स.)। आगामी 24 दिसंबर को गीता जयंती के अगले दिन कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में एक लाख लोग सामूहिक गीता पाठ करेंगे। इसकी जानकारी गुरुवार को कोलकाता प्रेस क्लब में प्रेस कांफ्रेंस कर आयोजन कमेटी ने दी। स्वामी प्रदीपानंद उर्फ कार्तिक महाराज ने बताया कि इस साल गीता जयंती 23 दिसंबर को है। उसके बाद वाले दिन 24 दिसंबर को रविवार है और उसी दिन ब्रिगेड परेड मैदान में गीता पाठ का आयोजन किया गया है। इसमें द्वारिका के शंकराचार्य स्वरूप आनंद सरस्वती उपस्थित रहेंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसमें शामिल होंगे। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी आमंत्रित किया गया है। आमंत्रण के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी समय मांगा गया है। हालांकि उन्होंने अभी वक्त नहीं दिया है। उन्होंने बताया कि काजी नजरुल इस्लाम के लिखे हुए गीत *हे पार्थ सारथी बजाओ, बजाओ पांचजन्य शंख...* के माध्यम से गीता पाठ की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि एक लाख लोगों की ओर से सामूहिक गीता पाठ कभी भी किसी एक धर्म का आयोजन नहीं हो सकता। यह किसी राजनीतिक पार्टी का भी कार्यक्रम नहीं है। गीता जीवन का बोध है और इसी का एहसास करवाने के लिए गीता पाठ होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि गीता के कुल पांच अध्याय का पाठ होगा। उस दिन पुरुष धोती और पंजाबी पहनेंगे जबकि महिलाएं साड़ी पहन कर आएंगी। सभी के हाथों में गीता होगी। सभी के बैठने के लिए जगह दी जाएगी। अगर संभव हो तो सभी को एक शंख लेकर आने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि इसमें शामिल होने वालों को पहले से ही धमकियां दी जा रही है। पहले 10 दिसंबर को टेट की परीक्षा होनी थी लेकिन उसे बढ़ाकर 24 दिसंबर को कर दिया गया है। बेहतर होता अगर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी टेट परीक्षा का दिन बदल देतीं। उन्होंने कहा कि एक लाख लोगों के गीता पाठ की घोषणा पहले ही कर दी गई थी। प्रशासन के सारे अधिकारी इस बारे में जानते हैं। बावजूद इसके टेट परीक्षा की घोषणा दुर्भाग्यजनक है।

शाही ईदगाह मामला : मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने फैसले को निराशाजनक बताया

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मथुरा की शाही ईदगाह को लेकर आज आए इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर अफसोस व्यक्त किया है। बोर्ड के प्रवक्ता कासिम रसूल इलियास का कहना है कि शाही ईदगाह को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आज अपने फैसले में मथुरा की शाही ईदगाह का सर्वे करने की अनुमति देकर न सिर्फ 1991 के धर्मस्थल कानून का उल्लंघन किया है बल्कि यह हिंदुओं और मुसलमानों के बीच 1968 में हुए इस समझौते के भी खिलाफ है, जिसमें स्थानीय हिंदू और मुसलमानों ने 13.37 एकड़ जमीन ईदगाह और मंदिर के बीच बांट ली थी। यह समझौता श्री कृष्ण जन्म स्थान सेवा संस्थान और शाही ईदगाह ट्रस्ट के बीच हुआ था। फैसले के अनुसार 10.9 एकड़ जमीन कृष्ण जन्मभूमि को और 2.5 एकड़ जमीन शाही मस्जिद के हवाले की गई थी। इसके साथ ही यह बात भी तय हुई थी कि यह विवाद इस फैसले के साथ ही हमेशा हमेशा के लिए खत्म हो गया है। बोर्ड प्रवक्ता ने कहा कि इसी तरह बाबरी मस्जिद विवाद के दौरान 1991 में केंद्र सरकार ने धार्मिक स्थलों से संबंधित एक कानून पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि इस तरह के तमाम विवादों से छुटकारा मिल जाएगा। इस कानून के अनुसार स्वतंत्रता प्राप्ति 15 अगस्त, 1947 के वक्त धार्मिक स्थलों की जो स्थिति थी, वह जस की तस रहेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून के आने के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि अब कोई नया विवाद नहीं पैदा होगा लेकिन जिन शरारती तत्वों को देश में अमन व शांति से बैर है और जो हिंदू और मुसलमान के बीच नफरत पैदा करके राजनीतिक फायदा प्राप्त करना चाहते हैं, वह शायद ऐसा नहीं होने देंगे।

बीकानेर में एक परिवार के पांच सदस्यों ने की आत्महत्या

बीकानेर (हि.स.)। राजस्थान के बीकानेर जिले में मुक्ता प्रसाद नगर थाना क्षेत्र के अंत्योदय नगर में गुरुवार दोपहर एक परिवार के पांच सदस्यों ने आत्महत्या कर ली। इनमें पति-पत्नी और तीन बच्चे हैं। चार लोगों के शव फंदे पर लटके हुए मिले और एक सदस्य ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर मौत को गले लगाया है। घटना की जानकारी मिलने पर जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम मौके पर पहुंचीं। फिलहाल सभी शव पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। पता चला है कि परिवार कर्ज के बोझ से दबा हुआ था।

पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा के लिए एनबीआरआई में जुटे 19 प्रदेशों के वैज्ञानिक

लखनऊ (हि.स.)। सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ एवं राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (नेसा) के संयुक्त तत्वावधान में मध्य ग्रीन केमिस्ट्री, प्रदूषण रोकथाम एवं जलवायु परिवर्तन पर आधुनिक प्रवृत्तियों एवं चुनौतियों पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन की शुरुआत गुरुवार को हुई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी मुख्य अतिथि ने कहा कि हमें अपनी मानवता को प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के खतरनाक परिणामों से बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने होंगे। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं सम्मेलन के संयोजक डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर के 19 प्रदेशों के करीब 68 शहरों से 70 से ज्यादा शैक्षिक व अनुसंधान संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से 200 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। पर्यावरण विज्ञान पर केंद्रित इस सम्मेलन में मुख्य रूप से प्रदूषण एवं निस्तारण, जलवायु परिवर्तन, हरित रसायन विज्ञान, पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और समसामयिक मुद्दों पर वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञों द्वारा 80 से ज्यादा मौखिक प्रस्तुतियां, 110 पोस्टर प्रस्तुतियों द्वारा परिचर्चाएं की जाएंगी। इसके साथ ही देश के नामी विषय विशेषज्ञों द्वारा 13 मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किये जा रहे हैं। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने अकादमी द्वारा सम्मानित सभी वैज्ञानिकों और शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हम विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने के लिए बेहतर तकनीकी विकास और उनकी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्हें देखते हुए इस सम्मेलन का विषय बहुत प्रासंगिक है। संस्थान के निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने कहा कि इस सम्मेलन द्वारा सृजित निर्देशों एवं सुझावों द्वारा हमें प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की नई चुनौतियों के हल खोजने में अवश्य सहायता मिलेगी। इसमें मुख्य रूप से नेसा विशिष्ट फेलोशिप अवार्ड-डॉ. ए के सिंह, प्रोफेसर, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी को दिया गया। नेसा फेलोशिप में देश भर के विभिन्न संस्थानों से 21 विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों को चयनित किया गया। नेसा प्रख्यात वैज्ञानिक पुरस्कार- देश भर के विभिन्न संस्थानों से 10 विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों को चयनित किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

मुसलमान हमारे बड़े ...

और राजस्थान में उल्टा पड़ गया। वो ओबीसी की जनगणना की बात करते हैं, तो लोग सोचते हैं कि चुनाव आने पर ही ये बातें क्यों सामने आती है। मेरा कांग्रेस से निवेदन है कि आप ओबीसी क जनगणना की बात जरूर करें लेकिन मुस्लिमों की जनगणना की बात जरूर करें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी कई सालों से बोल रहे हैं कि पसमांदा मुस्लिमों को न्याय मिलना चाहिए। मुसलमान समाज के भीतर जातिगत जनगणना की जरूरत है। यह पूछने पर कि सीएए और एनआरसी पर बात कितनी आगे बढ़ी। तो इसके जवाब में उन्होंने का कि वो भी स्मूदली हो जाएगा।

राज्य सरकार ने ...

चाहते हैं क्योंकि नए भारत में लोगों को स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की आवश्यकता है जो कि डॉक्टर, इंजीनियर और प्रोफेशनल्स बनाएं ना कि मदरसों की। असम में इससे पहले 600 मदरसों को बंद किया गया था। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कर्नाटक चुनावों के दौरान आयोजित एक रैली में कहा था कि वह राज्य में 600 मदरसे बंद कर चुके हैं और सभी मदरसों को बंद करने की इच्छा रखते हैं। इसी वर्ष मई में भी असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि वह 300 मदरसे बंद करेंगे। असम के मुख्यमंत्री ने इसे पुलिस और कौमी संगठनों के बीच बातचीत का नतीजा बताया था। गौरतलब है कि असम सरकार राज्य में अवैध घुसपैठियों और कट्टरपंथ को लेकर काफी सख्त रवैया अपना रही है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति ...

एक ऐसा मंच है, जहां युवा पीढ़ी पारंपरिक नृत्य, संगीत, कला और शिल्प प्रदर्शनियों और पारंपरिक कार्बी व्यंजनों का आनंद लेकर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ती है। यह वह समय है, जब तारालांग्सो की घाटी उत्सव और सांस्कृतिक गौरव की गूंज के साथ जीवंत हो उठती है। यह आयोजन न केवल समृद्ध कार्बी विरासत का उत्सव है, बल्कि अंतर-सामुदायिक संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के साधन के रूप में भी कार्य करता है। राज्य नेतृत्व के समर्थन और राष्ट्रपति जैसी उल्लेखनीय हस्तियों की भागीदारी के साथ, 50वां कार्बी युवा महोत्सव एक भव्य आयोजन बनने की ओर अग्रसर है, जो स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर एक स्थायी छाप छोड़ेगा।

मणिपुर में 64...

परिजनों को सौंपे गए। मणिपुर में हुए जातीय संघर्ष में 170 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग घायल हो गए थे। गत अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने हिंसा प्रभावित मणिपुर में जांच, राहत, मुआवजा, उपचारात्मक उपायों और पुनर्वास की जांच के लिए हाई कोर्ट के तीन पूर्व न्यायाधीशों जस्टिस गीता मित्तल, जस्टिस शालिनी जोशी और जस्टिस आशा मेनन की समिति गठित की थी। समिति की रिपोर्ट पर शीर्ष अदालत ने पूर्वोत्तर राज्य में जातीय हिंसा में मृत लोगों को दफनाने अथवा दाह संस्कार करने के निर्देश जारी किए। इनमें 88 लोग भी शामिल थे, जिनकी पहचान की गई थी, लेकिन उनके शवों पर उनके परिवार के सदस्यों ने दावा नहीं किया था। समिति की रिपोर्ट के अनुसार, जातीय हिंसा में 175 लोगों की मौत और 169 की पहचान हुई थी। हालांकि महज 81 शवों पर उनके परिजनों ने दावा किया था।

शाही ईदगाह का...

ऑर्डर 7 रूल 11 के तहत मथुरा विवाद को लेकर दाखिल किए गए वाद यानी मुकदमों की पोषणीयता पर सुनवाई करेगी। हिंदू पक्ष की तरफ से आज एक और अर्जी दाखिल की गई है। इस अर्जी में मथुरा विवाद से जुड़े सभी मुकदमों की सुनवाई एक साथ किए जाने की अपील की गई है। भगवान श्री कृष्ण विराजमान कटरा केशव देव की तरफ से ही यह अर्जी भी दाखिल की गई है, मथुरा की श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर अब तक कुल 18 मुकदमे दाखिल किए गए हैं। इन सभी मुकदमों की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट सीधे तौर पर कर रहा है, मथुरा की जिला अदालत के बजाय हाईकोर्ट में सीधे तौर पर इन मामलों की सुनवाई हो रही है।

संसद में सुरक्षा ...

सामने आया था। दो व्यक्ति-सागर शर्मा और मनोरंजन डी-शून्यकाल के दौरान सार्वजनिक गैलरी से लोकसभा कक्ष में कूद गए और स्मोक बम से पीले रंग का धुआं छोड़ा और सांसदों द्वारा काबू किए जाने से पहले जमकर नारेबाजी की। लगभग उसी समय, एक महिला सहित दो अन्य लोगों ने नारे लगाए और संसद परिसर के बाहर स्मोक बम पीला धुआं छोड़ा, जिससे पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं के अलावा आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए हैं, जबकि मुख्य साजिशकर्ता होने के संदेह में ललित झा को पकड़ने के लिए कई जगहों पर छापेमारी की जा रही है। इस बीच, सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि संसद में सुरक्षा उल्लंघन के आरोप में दिल्ली पुलिस के आठ कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित पुलिसकर्मी संसद सुरक्षा के लिए प्रतिनियुक्ति पर थे और उन्हें आगंतुकों और मीडियाकर्मियों की तलाशी का काम सौंपा गया था। दिल्ली पुलिस के जवानों को संसद परिसर के साथ-साथ इमारत में प्रवेश करने वालों की जांच के लिए तैनात किया गया है। दूसरी ओर, बुधवार को संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर आज सुबह वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि संसद को सुरक्षा चूक के मुद्दे को संवेदनशीलता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह भी इस बारे में लोकसभा अध्यक्ष से बात करेंगे। लोकसभा अध्यक्ष इस बाबत जो भी कदम उठाना चाहते हैं। वह उठाएं। बता दें कि लोकसभा अध्यक्ष ने संसद की सुरक्षा को लेकर कठोर कदम उठाने का आश्वासन दिया था।

दबाव के बावजूद ...

के बावजूद हम आखिर तक और जीत तक लड़ेंगे। इससे पहले इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने कहा कि वैश्विक दबाव के बावजूद हमास के खिलाफ इजराइल का युद्ध जारी रहेगा। अभी युद्धविराम आतंकी संगठन के लिए उपहार जैसा होगा और युद्ध रुका तो हमास एकबार फिर मजबूत होकर खड़ा हो जाएगा। इजराइल के प्रधानमंत्री का बयान तब सामने आया है जब मंगलवार को एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी प्रधानमंत्री जो बाइडेन ने कहा था कि गजा पर अंधाधुंध बमबारी करके इजराइल दुनियाभर का समर्थन खो रहा है। उन्होंने कहा था कि अमेरिका इजराइल के साथ है। अमेरिका के अलावा भी यूरोपीय संघ, यूरोप और दुनिया का अधिकांश हिस्सा इजराइल के साथ है लेकिन अंधाधुंध बमबारी से वह वैश्विक समर्थन खो रहा है।

संसद अटैक : सात ...

अलावा आतंकवाद-रोधी कानून यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए हैं। संसद पर 2001 में किए गए आतंकी हमले की बरसी के दिन बुधवार को, सुरक्षा में सेंधमारी की बड़ी घटना उस वक्त सामने आई जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग सदन के भीतर कूद गए और *केन* के जरिये पीले रंग का धुआं फैला दिया। घटना के तत्काल बाद दोनों को पकड़ लिया गया। इस घटना के कुछ देर बाद ही पीले और लाल रंग का धुआं छोड़ने वाली केन लेकर संसद भवन के बाहर प्रदर्शन करने वाले एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया। सदन में कूदने वाले दोनों व्यक्तियों की पहचान सागर शर्मा और मनोरंजन डी के रूप में हुई है। संसद भवन के बाहर से गिरफ्तार किए गए दो लोगों की पहचान हरियाणा के जींद जिले के गांव घासो खुर्द की निवासी नीलम (42) और लातूर (महाराष्ट्र) के निवासी अमोल शिंदे (25) के रूप में हुई है। बता दें कि लोकसभा में घुसने वाले दोनों लोगों की पहचान सागर शर्मा और मनोरंजन के रूप में हुई है। सागर ने भाजपा से मैसूर के लोकसभा सांसद प्रताप सिम्हा के पास पर लोकसभा में एंट्री की थी। वहीं संसद के बाहर से पकड़े गए लोगों की पहचान नीलम देवी और अमोल शिंदे के रूप में हुई है। पांचवे आरोपी का नाम विशाल है जिसे पकड़ा गया है। चारों आरोपी गुरुग्राम में इसी के घर रुके थे। अब तक मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा ललित झा पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। चारों आरोपियों के फोन भी पुलिस को रिकवर करने हैं। लोकसभा के अंदर और संसद के बाहर जिस स्प्रे को फेंका गया था, वह कहां से खरीदा गया उसकी जानकारी भी अभी पुलिस को जुटानी है।

बिजनेस आर्थिक...

मातृ प्रकृति पर दवाब डाले बिना पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में मानवजाति को ऊर्जा कार्यकुशलता और ऊर्जा संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस अवसर पर केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने कहा कि उद्योग और अन्य हितधारकों के समर्पित प्रयास देश में ऊर्जा संरक्षण आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफीशियेंसी (बीईई) के कार्यक्रम जैसे परफॉर्म अचीव ट्रेड और स्टार लेबलिंग प्रोग्राम विश्व-अग्रणी कार्यक्रम रहे हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन में पर्याप्त कमी आई है और भारत को अपने जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिली है।

बड़ा झटका : ट्रूडो...

पांच लाख से अधिक है। इस बीच स्टूडेंट्स ने दो साल के स्टडी वीजा वाले स्टूडेंट्स के लिए पांच साल और एक साल के स्टडी प्रोग्राम के लिए आए स्टूडेंट्स के लिए दो साल का वर्क परमिट जारी करने की मांग की है। जिनके परमिट 1 जनवरी, 2024 को पूरे हो जाएंगे, उनको नया वर्क परमिट नहीं मिलेगा। हालांकि जिनका पीजी वर्क परमिट 31 दिसंबर, 2023 को पूरा हो रहा है, वे जारी एक्सटेंशन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि कनाडा में इस समय 9.5 लाख अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के पास स्टडी परमिट है और करीब 14 लाख के पास वर्क परमिट है। 14 लाख वर्क परमिट वाले स्टूडेंट्स में से अभी तक 3 लाख आवेदकों ने ही कनाडा में पीआर के लिए अप्लाई किया है। 2017 के बाद दो साल के स्टडी परमिट वाले स्टूडेंट्स को 4.5 साल का वर्क परमिट दिया जाना लगा, जिसमें 18-18 महीने की तीन एक्सटेंशन शामिल हैं। इसके अलावा भारत से कनाडाई विश्वविद्यालयों में आवेदन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या कम हो रही है, कनाडा एक और कानून पेश कर रहा है जो संभावित रूप से छात्रों को देश में आवेदन करने से रोक सकता है। आप्रवासन विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए वित्तीय आवश्यकता को दोगुना कर दिया है। 10,000 जीआईसी फीस को बढ़ा कर अब 20,635 कर दिया गया है जोकि 1 जनवरी 2024 से लागू है। यह परिवर्तन देश में रहने की लागत के बारे में छात्रों की अपेक्षाओं को प्रबंधित करने के लिए किया गया था। कनाडा के आप्रवासन मंत्री मार्क मिलर ने कहा कि हम जीवन-यापन की लागत सीमा को संशोधित कर रहे हैं ताकि अंतर्राष्ट्रीय छात्र यहां रहने की वास्तविक लागत को समझ सकें। वहीं इस पर वैंकूवर द्वीप विश्वविद्यालय के एक छात्र ल्यूक डायस ने कहा कि किराया ही 850 डॉलर प्रति माह है और 10000 डॉलर पर गारंटीड इन्वेस्टमेंट सर्टिफिकेट (जीआईसी) मुश्किल से इसे कवर करता है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय कनाडा के एक किफायती गंतव्य होने की संभावना को अस्पष्ट करता है। वहीं, मॉन्ट्रियल यूथ-स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन (एमवाईएसओ) नामक एक छात्र समूह के नेताओं ने कहा है कि छात्र वित्त पोषण को दोगुना करने से धोखाधड़ी, शोषण, दुर्व्यवहार और आवास की समस्याएं हल नहीं होंगी। इसके विपरीत, सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच रही है और सारा बोझ अंतर्राष्ट्रीय छात्रों पर डाल रही है। इलेट्स, एजेंटों की फीस, महंगी ट्यूशन फीस, हवाई टिकटों के लिए छात्रों द्वारा चुकाए जाने वाले लाखों रुपए पर अफसोस जताते हुए उन्होंने कहा कि यह निर्णय छात्रों को और कर्ज में डाल देगा। वहीं, आव्रजन विभाग ने लेबर की कमी से निपटने के लिए महामारी के दौरान शुरू किए गए 18 महीने के वर्क परमिट को भी नहीं बढ़ाया, जबकि ऑफ-कैंपस नौकरियों पर प्रति सप्ताह 20 घंटे की छूट को 30 अप्रैल, 2024 तक बढ़ा दिया। विभाग ने कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए प्रति सप्ताह अधिकतम सीमा 30 घंटे तक बढ़ाने पर विचार कर रहा है। कनाडा में पढ़ रहे एक अन्य छात्र ने कहा कि हाइ स्टुडेंट फ्लो के कारण अंशकालिक नौकरी पाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि नौकरी बाजार की तंगी के कारण छात्र ज्यादातर सप्ताह में 15-20 घंटे काम करते हैं।

2024 में महिला...

झमहिलाओं के योगदान को हमेशा कमतर करके आंका गया है। जबकि वैसी महिलाएं जिनको कोई भुगतान नहीं किया जाता, उनका देश के कुल जीडीपी में योगदान 7.5 फीसद के बराबर है। हालांकि अब यह सामान्य तौर पर देखा जा रहा है कि महिला सशक्तिकरण पर जोर है और महिलाओं के लिए कई तरह की स्कीमें लाने की भी होड़ मची हुई है। एक वजह यह भी है कि वोटिंग पैटर्न से साफ हो रहा है कि वोट देने वालों में पुरूषों से ज्यादा महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। सरकार की हर स्कीम में महिलाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। वर्ष 2014 के चुनाव में कुल वोटरों की संख्या 55 करोड़ थी जिसमें महिला वोटरों 26 करोड़ थी। वर्ष 2019 में कुल वोटर हो गए 62 करोड़ जिसमें महिलाएं थी 30 करोड़। इस रफ्तार से वर्ष 2024 में कुल वोटर होंगे 68 करोड़ और इनमें महिलाएं होंगी 33 करोड़। वर्ष 2029 में कुल वोटर होंगे 73 करोड़, जिसमें 37 करोड़ (50 फीसद से ज्यादा) महिलाएं होंगी। वोटिंग में महिलाओं की बढ़ती हिस्सेदारी को पिछले एक दशक की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर चिन्हित करते हुए रिपोर्ट कहती है कि चुनावों के परिणाम महिलाओं की हिस्सेदारी काफी हद तक प्रभावित करने लगी हैं। पिछले पांच वर्षों में 23 राज्यों में चुनाव हुए हैं। इनमें 18 राज्यों में महिला वोटरों की हिस्सेदारी पुरूषों से ज्यादा रही है। इन 18 राज्यों में से 10 राज्यों में पिछली सरकारों की ही दोबारा चुना गया है। इस रिपोर्ट में मध्य प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना का खास तौर पर जिक्र करते हुए कहा गया है कैसे यह योजना बड़ी संख्या में महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने का काम करने की क्षमता रखती है। खास तौर पर स्वास्थ्य और पौष्टिक आहार के मामले में। इस योजना से महिलाएं आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बन कर उभरेंगी और उन प्राथमिकताओं पर ध्यान दे सकेंगी जिस वो अभी तक नजरअंदाज कर रही थी। रिपोर्ट में भारत सरकार की पीएमजेडीवाई, मुद्रा, पीएमयूवाई जैसी योजनाओं का भी जिक्र है जिसके जरिए पूरे देश में महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुधारने की कोशिश जारी है। एसबीआई की यह रिपोर्ट कहती है कि भविष्य में केंद्र व राज्यों की विभिन्न योजनाएं महिलाओं की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत करेंगी जिसका असर पूरे समाजिक व्यवस्था पर भी दिखा।

संसद अटैक : विपक्ष...

सभापति जगदीप धनखड़ ने कई बार उनसे सदन से जाने के लिए कहा लेकिन वे सदन से नहीं गए। इसलिए उनके विषय को सदन की आचार समिति को भेज दिया गया। इसके बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही पहले 02 बजे फिर 03 बजे और उसके बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। दो बजे कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस के पांच सांसदों टीएन प्रतापन, हिबी हिडन, जोथिमनी, राम्या हरिदास, डीन कुरियाकोस को सदन की कार्यवाही से निलंबित किया गया। इसके बाद भी हंगामा जारी रहा। कार्यवाही स्थगन के बाद दोबारा 3 बजे शुरू होने पर 14 सदस्यों को कार्यवाही से निलंबित किया गया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने अपने निलंबन प्रस्ताव में सदस्य वीके श्रीकंदन, बेनी बेहनन, मोहम्मद जावेद, पीआर नटराजन, कनिमोझी, के सुब्रमण्यम, एसआर पार्थिबन, एस वेंकटेशन और मनिकम टैगोर का नाम लिया। बाद में लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी एक सर्कुलर में एसआर पार्थिबन का नाम शामिल नहीं था। उनका नाम गलती से लिया गया था और उनका निलंबन वापस ले लिया गया। पत्रकारों से बातचीत में लोकसभा सदस्य दानिश अली ने भी इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि निलंबित सदस्यों में एसआर पार्थिबन का नाम है और वे आज सदन में आए नहीं थे। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि निलंबित सदस्य डेरेक ओ-ब्रायन सदन में मौजूद हैं। यह सदन की अवज्ञा है। उन्होंने नियम-कानून का हवाला देते हुए डेरेक को सदन से बाहर जाने के लिए कहा लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद सभापति ने सदन की कार्यवाही क्रमशः अपराह्न 2.30 बजे, 3 बजे और फिर 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इसके बावजूद डेरेक सदन में बने रहे। वह सदन से बाहर ही नहीं गए। उच्च सदन की कार्यवाही 4 बजे शुरू होने पर सदन के नेता पीयूष गोयल ने डेरेक के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश किया। उसे सदन से पारित कर दिया गया और आसन के आदेश की अवहेलना की वजह से अब डेरेक का मामला विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया है। गोयल ने कहा कि विशेषाधिकार समिति डेरेक ओ-ब्रायन के आचरण की जांच कर अपनी रिपोर्ट तीन माह के भीतर पेश करेगी। इस दौरान विपक्ष के भारी हंगामे के बीच सभापति ने सदन की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी। असल में आज सुबह जब राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्षी सांसदों ने मांग की कि संसद की सुरक्षा में हुई चूक के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में बयान दें। इस मांग के साथ सभी विपक्षी सांसद हंगामा करने लगे। सभापति ने सभी को बैठने के लिए कहा लेकिन डेरेक नारेबाजी करते हुए सभापति के आसन के समीप आ गए। डेरेक के कई बार ऐसा करने पर सदन ने उनके निलंबन का प्रस्ताव पेश किया, जिसे सभापति ने स्वीकार करते हुए डेरेक को सदन से बाहर जाने को कहा लेकिन वह लगातार सदन में बने रहे। उधर, लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार को दिनभर विपक्ष के संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर हंगामा करने के चलते बाधित रही। इस दौरान विपक्ष के 13 सदस्यों को उनके अनुचित आचरण के चलते शीतकालीन सत्र के बाकी बचे समय के लिए निलंबित कर दिया गया। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर सदन के उपनेता राजनाथ सिंह ने बयान दिया। उन्होंने संसद सदस्यों को दर्शक दीर्घा के लिए पास जारी करते समय अधिक सावधानी बरतने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में चूक की घटना की सभी सदस्यों को एक स्वर में निंदा करनी चाहिए। इस पर सदन में अराजकता फैलाने का कोई औचित्य नहीं है। घटना के बाद अध्यक्ष की ओर से स्वयं जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के बाद सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि इसी संसद में ऐसा हुआ है। पिछली संसद में भी इस तरह की घटनाएं हम देख चुके हैं। लोकसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे होने पर सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने चूक के विषय पर पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पक्ष-विपक्ष को एक होकर बयान देना चाहिए और मामले पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी जरूरी आवश्यक कार्रवाई की गई। सुरक्षा उपयों पर विचार हो रहा है कुछ को लागू कर दिया गया और कुछ को जल्द ही लागू किया जाएगा। अपने बयान में संसदीय कार्यमंत्री ने पिछली संसद में हुई कुछ घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वे तुलना नहीं कर रहे हैं लेकिन बता रहे हैं ऐसी घटनाओं से सीखा जा सकता है। लोकसभा अध्यक्ष संसद परिसर के कर्ता-धर्ता हैं। उन्होंने इस पर जांच के लिए पत्र लिखा है और मामले की सरकार जांच करा रही है। सरकार संवेदनशील है और चाहती है कि सदन का कामकाज प्रभावित नहीं होना चाहिए।

बेकरी में ब्लास्ट ...

हादसा जब हुआ तब रोज की तरह सुबह खाने का सामान बनाते समय एक दम गैस पाइप लीक होने के संकेत मिले और अचानक आग लग गई और पूरा फैलगाई।। उधर, सीएम रेवंत रेड्डी ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने अधिकारियों को पीड़ितों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि घायलों में ज्यादातर उत्तर प्रदेश और बिहार के हैं। हादसे के शिकार कर्मचारी की पहचान शुभम, बलराम, कमल किशोर, दारासिंह, सुजीत, सोनू, आदित्य कुमार, मुकेश कुमार, संदीप कुमार, प्रमोद कुमार, दीपक शुक्ला और प्रदीप कुमार बताई गई। इन सभी का इलाज अपोलो डीआरडीओ अस्पताल में चल रहा है।

सुरक्षा में सेंध ...

बाद एक कूदने के घटनाक्रम से स्तब्ध रह गईं सुरक्षा एजेंसियों ने अगले दिन अपनी सक्रियता और चौकसी भी बढ़ा दी। हर गेट पर कड़ी जांच के चलते लंबी लाइनें भी लगीं। पास जांचे गए, सघन तलाशी ली गई और जूते खुलवाए गए। गौरतलब है कि लोकसभा में घुसपैठ करने वाले युवक जूतों में ही रंगीन गैस के कैनिस्टर क्रैकर छिपा कर ले गए थे। गेटों पर सुरक्षाकर्मियों की संख्या भी बढ़ाई गई और केवल उन्हीं लोगों को उन गेटों से संसद भवन में प्रवेश का मौका मिला जिससे जाने के लिए वे अधिकृत थे। इसके अलावा मीडिया समेत सभी गैलरियों में सुरक्षाकर्मियों की सबसे आगे और ठीक पीछे वाली सीटों पर इस तरह तैनाती की गई कि वे हर व्यक्ति की हलचल पर नजर रख सकें। यह व्यवस्था पहले से चली आ रही है, लेकिन हाल के दिनों में इसमें शिथिलता नजर आ रही थी। गुरुवार को कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने भी संसद भवन का दौरा करके सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सुरक्षा के इंतजाम संसद भवन परिसर के बाहर भी अधिक थे। परिवहन भवन, जहां कल एक महिला समेत दो लोगों ने कैन क्रैकर के जरिये गैस छोड़ने के बाद नारेबाजी की थी, के बाहर बैरिकेड से आगे केवल उन्हीं लोगों को जाने दिया गया, जिनके पास पहचान पत्र और पास था। यही इंतजाम कृषि भवन और आसपास के दूसरे सरकारी संस्थानों के बाहर भी थे। संसद भवन में सांसदों के लिए आरक्षित मकर द्वार पर तमाम अधिकारियों को भी रोका गया। इसके चलते साढ़े दस से ग्यारह बजे के बीच गेटों पर काफी अफरातफरी भी रही। मकर द्वार के बाहर मीडिया के लिए भी तमाम तरह की बंदिशें लगाई गईं, खासकर फोटो खींचने या वीडियो बनाने को प्रतिबंधित किया गया। सुरक्षाकर्मियों को अहसास था कि उनसे कल एक गलती हो गई और इसका बहुत गलत संदेश गया, खासकर नए संसद भवन की भव्यता और सुरक्षा के उपायों को लेकर। एजेंसियों के बीच इस घटनाक्रम की जवाबदेही तय करने की बहस भी चल रही है। सुरक्षा से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, अगर दीर्घा में मौजूद कर्मियों ने युवकों को रोकने के लिए तुरंत सक्रियता दिखाई होती तो इस घटना को रोका जा सकता था या इसकी गंभीरता कम की जा सकती थी। अधिकारी ने कहा कि यह सिक्योरिटी ब्रीच का मामला तब होता जब अनधिकृत व्यक्ति या व्यक्तियों ने प्रवेश लिया होता। यह निगरानी और चौकसी में कमी का नतीजा है। सुरक्षा तंत्र से गंभीर छेड़छाड़ के बाद जांच-पड़ताल का दौर भी जारी है और सुरक्षा एजेंसियों की बैठकों का सिलसिला भी। सूत्रों के अनुसार, कल शाम से गुरुवार दोपहर तक अलग-अलग स्तरों पर दस से अधिक बैठकें हो चुकी हैं। तलाशी से लेकर निगरानी के मौजूदा तौर-तरीकों पर सख्ती से अमल के लिए नई प्रक्रियाओं के गठन पर भी काम चल रहा है। एक अधिकारी के मुताबिक, आने वाले दिनों में कई नई चीजें दिखेंगी।

सातवीं की तीन छात्राओं ने खाया जहर, एक की मौत

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के सालबाड़ी के चूनबाड़ी में 7वीं कक्षा में पढ़ने वाली तीन छात्राओं ने जहर खा लिया। इसमें एक छात्रा की मौत हो गई। दो अन्य छात्राएं अस्पताल में मौत से जूझ रही हैं। जिले के सालबाड़ी उपमंडल के बांहबाड़ी पुलिस थाने के अंतर्गत चूनबाड़ी में एक निजी स्कूल की इन तीन छात्राओं ने आत्महत्या की कोशिश की। छात्राएं चूनबाड़ी प्रगति नेशनल स्कूल में सातवीं कक्षा में अध्ययनरत थी। मृतक छात्रा की पहचान मीना रविदास के रूप में की गई है। मीना रविदास की दिन में अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। दो अन्य लड़कियों का गंभीर हालत में गुवाहाटी के आयुरसुंद्रा और अपोलो अस्पताल में अलग इलाज चल रहा है। प्रगति नेशनल स्कूल की तीनों छात्राओं ने स्कूल में ही ट्यूशन लिया था। छात्राओं को ट्यूशन कक्षा के बोर्ड पर आपत्तिजनक वाक्यों को लिखते हुए देखा गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में पीयूष हजारिका ने लिया हिस्सा

शोणितपुर (हिंस)। असम सरकार के जल संसाधन, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका ने आज शोणितपुर जिले के बालीपाड़ा विकास खंड के अंतर्गत घोरामारी ग्राम पंचायत के *विकसित भारत संकल्प यात्रा* कार्यक्रम में भाग लिया। मंत्री ने कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। मंत्री ने विभागीय प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि योग्य लाभार्थी किसी भी सरकारी योजना से वंचित न रहें। इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए मंत्री हजारिका ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पिछले नौ वर्षों से समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत काम कर रही है। लेकिन, कई बार जागरूकता की कमी के कारण कुछ लोग इन योजनाओं का लाभ लेने के योग्य नहीं हो पाते हैं। इस कारण मंत्री

ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं में शामिल करने के लिए गांव-गांव जाने की व्यवस्था की गई है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा नेतृत्व वाली राज्य सरकार हर योग्य व्यक्ति को सरकारी सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास कर रही है। वहीं, दूसरी ओर विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के लोगों को गांव के लोगों से बात कर उनकी स्थिति का जायजा लेने का मौका मिला है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, ई-श्रम, पीएम किसान, पीएम विश्वकर्मा, जल जीवन अभियान आदि जैसी विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने विशेष रूप से आयुष्मान भारत योजना के तहत चिकित्सा लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र लोगों का आह्वान किया। जल संसाधन मंत्री ने लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। आज की बैठक में सभी ने विकसित भारत का संकल्प पढ़कर सुनाया। मंत्री के साथ रंगापाड़ा के विधायक कृष्ण कमल तांती, तेजपुर के विधायक पृथ्वीराज राभा, शोणितपुर के जिला आयुक्त और जिले के विभिन्न विभागों के प्रमुख इस दौरान मौजूद थे।

विभिन्न दलों से कुल 780 कार्यकर्ता व नेता बीपीएफ में हुए शामिल

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के सितला के बासंती मंदिर के मैदान में आज बीपीएफ का विशाल जोइनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ समिति की ओर से आयोजित किया गया। फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ के अध्यक्ष इनामूल हके नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बीजीपी से 359, यूपीपीएल, कांग्रेस, एआईयुडीएफ आदि दलों से कुल 780 नेताओं ने ने बीपीएफ में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीपीएफ के चीफ हग्रामा महिलारी, अतिथि के रूप में पूर्व असम के मंत्री प्रमिला रानी ब्रह्म, बीपीएफ के उपाध्यक्ष खांफा बरगयारी, जिला बीपीएफ के अध्यक्ष देरहासत बसुमतारी, एमसीएलए डोनेश्वर गयारी,

प्रकाश बसुमतरी, बीपीएफ के साधारण सचिव मनेश्वर ब्रह्म और बीपीएफ के सांगठनिक सचिव डॉ. रजऊल करीम उपस्थित थे। इस सभा की उद्देश्य व्याख्या बीपीएफ के उपाध्यक्ष खांफा बरगयारी ने की। इसके बाद उपस्थित सभी अतिथिओं ने अपना अपना भाषण रखे। सभा में हजारों की संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। वहीं हग्राम महिलारी ने कहा कि बीपीएफ दल के नीति व आदर्श को अच्छा पाकर विभिन्न दलों से लोग बीपीएफ में शामिल हो रहे हैं। वहीं आगामी लोकसभा चुनाव में बीपीएफ उदालगुड़ी के दरंग ओर कोकराझाड़ से उमीदवार देने की बात कही।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की रजत जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज शहर के श्रीश्री माधवदेव अंतरराष्ट्रीय सभागार में अखिल भारतीय साहित्य परिषद, असम मंडल की रजत जयंती के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि असमिया भाषा और इसकी समृद्ध साहित्यिक संपदा की अपनी शानदार विरासत है। असम अपनी भाषा और साहित्य की दृष्टि से एक समृद्ध और विपुल क्षेत्र रहा है। माधव कांदली, श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव की महान कृतियों से शुरू हुई साहित्य की यात्रा आज भी अपनी प्रभावशाली शृंखला जारी रखे हुए है। किसी राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा और साहित्य में निहित होती है। विभिन्न भारतीय भाषाओं में साहित्य की भूमिका ने हमारी एकता, हमारी परंपराओं, हमारी संस्कृति और हमारी विकास यात्रा को मजबूत किया है। रूपकुंवर ज्योतिप्रसाद अगरवाला, बिष्णु प्रसाद राभा लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा, अंबिकागिरी रॉयचौधरी, आनंदराम बरुवा, भूपेन हजारिका, मामोनी रायसम गोस्वामी जैसे कई अन्य महान साहित्यिक दिग्गजों ने असम के साहित्य को समृद्ध किया है। राज्यपाल कटारिया ने यह भी कहा कि महान वैष्णव विद्वान श्रीमंत शंकरदेव ने अपनी साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* की भावना को मजबूत किया था। यह वास्तव में खुशी की बात है कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद असमिया भाषा और साहित्य को समृद्ध करने के अपने प्रयास में, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच साहित्य के प्रति प्रेम और सम्मान पैदा करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

वन विभाग की छापेमारी में अवैध आरामिल जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र में नगरबेड़ा नदी रिजर्व वन अधिकारी के कार्यालय के तहत मालीबाड़ी में आज एक छापे में, नागरबेड़ा वन विभाग ने एक अनधिकृत तस्करी लकड़ी मिल को जब्त कर लिया और बड़ी मात्रा में तस्करी की लकड़ी जब्त की। यह पता चला है कि लंबे समय से एक सर्कल मालीबाड़ी में गुप्त रूप से तस्करी की लकड़ी की मिल चला रहा था, जो संबंधित कार्यालय क्षेत्र का हिस्सा है। नगरबेड़ा नदी रिजर्व वन अधिकारी सिबाशीष चांडिल्य के नेतृत्व में वन कर्मियों के एक समूह ने आज दोपहर एक गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारा और साइट पर चल रही तस्करी की लकड़ी की मिल को जब्त करने के साथ मिल में कुछ लकड़ी जब्त करने में कामयाब रहे। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से लकड़ी मिल को जब्त करने के लिए प्रयास कर रहे नगरबेड़ा रेंजर सिबाशीष चांडिल्य ने विशेष रणनीति का प्रयोग करते हुए उक्त जंगली तस्करी की लकड़ी मिल को जब्त कर नगरबेड़ा नदी रिजर्व वन पदाधिकारी के कार्यालय में लाया गया। वन अधिकारी शिबाशीष चांडिल्य के इस कदम का प्रकृति प्रेमी लोगों ने स्वागत किया है।

बाबोसा भगवान का मंगलवार व्रत महोत्सव और सामूहिक उद्यापन समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। बाबोसा भगवान का 11 मंगलवार व्रत महोत्सव का सामूहिक उद्यापन समारोह आज विभिन्न कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। आयोजकों ने बताया कि जीएस रोड स्थित शक्तिगढ़ पथ में बने मां काली बालाजी बाबोसा मंदिर में इस अवसर पर सुबह 8.15 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस दौरान बाबोसा भगवान की पावन कथा का वाचन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में व्रतधारियों एवं भक्तों की उपस्थिति देखी गई। इस अवसर पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें जानी-मानी गायिका श्रीमती संतोष शर्मा ने दरबार में भजनों के पुष्प अर्पित किए। उद्यापन समारोह के मौके पर महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में बाबोसा के सभी भक्तों का भरपूर सहयोग रहा। वहीं आगामी 17 दिसंबर को फैंसी बाजार के सांगानेरिया धर्मशाला में बाबोसा भगवान का मिंगसर महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर गायिका संतोष शर्मा व जोरहाट से विक्रांत जोशी व पूजा जोशी आदि कलाकार अपने अपने भजनों की प्रस्तुती देंगे।

छाउथ बरपेटा हाई स्कूल की चार दिवसीय रजत जयंती समारोह का रंगारंग शुभारंभ

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत छाउथ बरपेटा हाई स्कूल के 25 वें वर्ष पूरे होने के साथ, रजत जयंती समारोह आज से चार दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ शुरू किया गया है। कार्यक्रम के अनुसार कार्यक्रम का उद्घाटन रजत जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष एम मुसुर उद्दीन अहमद ने पहले दिन सुबह ध्वजारोहण कर किया। स्कूल के रजत जयंती समारोह के अवसर पर 25 स्थानीय मुखिया ने 25 झंडे फहराए। ध्वजारोहण के बाद दिवंगत विद्यालय से जुड़े वृद्धजनों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने के लिए स्मृति सभा का आयोजन किया गया। इसके बाद स्थानीय प्रमुखों के एक वर्ग के माध्यम से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक जफर अली खान, बाघमारा चर ग्राम पंचायत अध्यक्ष अकलीमा खातून, धर्मपुर भटनापैती ग्राम पंचायत अध्यक्ष बशीर उद्दीन अहमद, शिक्षक अब्दुल जलील, अरफान अली अहमद, शहादत अली, स्कूल शिक्षक स्टाफ, अध्ययनरत छात्र, पूर्व छात्र उपस्थित थे। स्कूल के शिक्षक, छात्र और ग्रेटर क्षेत्र के गणमान्य लोग। समारोह समिति के अध्यक्ष एम. मुसूर उद्दीन अहमद एवं सचिव एवं विद्यालय प्रधान अब्दुल बारिक मंडल ने आज से शुरू हो रहे चार दिवसीय रजत जयंती महोत्सव के हर कार्यक्रम में सभी वर्ग के लोगों से सहयोग मांगा है।

सरियहतली शंकरदेव शिशु निकेतन स्कूल सप्ताह का समापन

नलबाड़ी (हिंस)। स्कूल सप्ताह की मुख्य बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह आज नलबाड़ी के सरियहतली स्थित शंकरदेव शिशु निकेतन में आयोजित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य गौतम कुमार बैश्य की देखरेख में विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव गीतान बैश्य के निर्देशन में आचार्य ऋत्विक वर्मा, जेउती बर्मन, दीपिका बर्मन, निभा देवी, प्रियंका देवी, गीतिका तालुकदार, गीतारानी बरुवा, जोनाकी दास, धनदा राजबंशी आदि ने सामूहिक प्रयासों से विद्यालय सप्ताह को सफलतापूर्वक मनाया। आज की मुख्य बैठक की अध्यक्षता बालभवन विद्यापीठ उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रहलाद दास ने की। आमंत्रित अतिथि के रूप में पत्रकार प्रांजल शर्मा और राज्य पुरस्कार विजेता सेवानिवृत्त शिक्षक जोगेन तालुकदार विशेष व्यक्ति के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निबंधकार-पुस्तक प्रकाशक प्रियंकू नारायण बरुवा ने विद्याभारती के अंतर्गत शंकरदेव शिशु निकेतन की पंच शिक्षा नीति के बारे में बताया।

शिशु शिक्षा समिति, असम का तीन दिवसीय प्रधानाचार्य विकास वर्ग कार्यक्रम का शुभारंभ

गुवाहाटी। प्रधानाचार्य विकास वर्ग-2023 विद्या भारती बहुमुखी शैक्षिक प्रकल्प, हाजोंगबाड़ी, चंद्रपुर, गुवाहाटी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वंदना से हुआ। विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री ए लक्ष्मण राव, विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के मंत्री डॉ. जगदींद्र रॉयचौधरी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति, असम के संगठन मंत्री नीरव घेलाणी और शिशु शिक्षा समिति, असम के साधारण सम्पादक कुलेंद्र कुमार भगवती उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में असम के 8 विभागों से कुल 70 चयनित प्रधानाचार्य भाग ले रहे हैं। प्रस्ताविक भाषण उत्तर असम के संगठन मंत्री नीरव घेलाणी ने प्रदान किया। उद्घाटन भाषण श्री कुलेंद्र कुमार भगवती, साधारण सम्पादक, शिशु शिक्षा समिति, असम द्वारा दिया गया। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री डॉ. जगदींद्र रॉय चौधरी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यालय संचालन के बारे में जानकारी अपने मुख्य भाषण के अंतर्गत प्रदान की। मालूम हो कि तीन दिनों तक चलने वाले इस वर्ग में प्रधानाचार्यों को कई प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

गांजा के साथ म्यांमार के दो नागरिक मिजोरम में गिरफ्तार

एजल (हिंस)। असम राइफल्स ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के सहयोग से म्यांमार के दो गांजा तस्करों को भारी मात्रा में गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। असम राइफल्स ने आज औपचारिक सूचना दी है कि गांजा की बरामदगी म्यांमार की सीमा के पास मिजोरम के पूर्वी हिस्से में स्थित चम्फाई जिले से हुई। गिरफ्तार दोनों म्यांमार के नागरिक हैं, जिनकी पहचान गिन्सियासियामा (25) और थानलामचिना (35) के रूप में हुई है। हिरासत में लिए गए तस्करों से मिली जानकारी के आधार पर असम राइफल्स, राज्य के उत्पाद शुल्क और नारकोटिक्स विभाग ने म्यांमार सीमा के करीब स्थित जिले के जोटे गांव में अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 10.73 लाख रुपये कीमत का गांजा बरामद किया गया। बाद में गांजा की जब्ती के साथ ही दोनों तस्करों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करके मिजोरम पुलिस को सौंप दिया गया।

एसएसबी की मोबाईल रिपेरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन के बाद प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण-पत्र वितरित

कोकराझाड़ (विभास)। आज छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीघुली के कमांडिंग अधिकारी लोकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सहकारी समिति शशिपुर के अंतर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती क्षेत्र में चल रहे नागरिक कार्यक्रम के तहत 30 दिवसीय मोबाईल रिपेरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन हुआ। समापन समारोह समुदायिक भवन मालिविता में एसएसबी कमांडगिं अधिकारी लोकेश कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी व सौरव कुमार सहायक कमाडेंट के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान सभी प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरण किए गए। प्रशिक्षुओं में सीमावर्ती क्षेत्रों के 30 युवा शामिल हैं। जिन्हें मोबाईल रिपेरिंग प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया था। 30 दिवसीय चले इस कार्यक्रम सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र दिए गए। साथ ही कमान अधिकारी ने बताया कि एसेसबी द्वारा समय-समय पर सीमावर्ती क्षेत्रों में युवाओं को इस तरह का व्यावसायिक प्रशिक्षण देती रहती है ताकि लोग रोजगार के लिए तैयार हो सके तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़े रहे। पूर्व मान्यता प्राप्त और पंजीकृत संस्थान डॉन बास्कों वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर आमगुड़ी, कोकराझाड़ द्वारा उपस्थित सभी प्रशिक्षुओं को मोबाइल रिपेयरिंग के हर चरण जैसे सीपीयू आईसी, पावर आईसी, रजिस्टर, कैपेसिटर, मोबाइल पाट्र्स को असेंबल करने पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। वहीं मुख्य अतिथि के तौर पर कमांडिंग अधिकारी लोकेश कुमार सिंह, अतिथि श्री फ्रांसिस चेरमाको, प्रिंसिपल डॉन बॉस्को स्कूल, कोकराझाड़, श्रीमती ज्योति, प्रिंसिपल, डॉन बास्को स्कूल मालिविता, शेखर वस्तोला, बीसीडीसी के उपाध्यक्ष कार्यक्रम के दौरान राजेश पाठक, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान वीसीडीसी और प्रमुख ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम को सीमावर्ती युवाओं द्वारा अच्छी तरह से पहचाना और सराहना किया। साथ ही साथ कार्यक्रम को देखते हुए उपस्थित ग्रामीणों के द्वारा एसएसबी को भूरि-भूरि प्रशंसा भी की।

इंजन नाव के साथ 89 बैग चीनी बरामद

दक्षिण सलमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा पुलिस के संयुक्त अभियान में 89 बैग चीनी बरामद किया गया। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर केबीडी आउट पोस्ट की एक टीम द्वारा तलाशी अभियान शुरू किया गया। अभियान में एक इंजन नाव के साथ 89 बैग चीनी बरामद किया गया। हालांकि, तस्कर मौके का फायदा उठाकर भाग गए।

ट्रेन हादसे में मां-बेटी समेत तीन की मौत

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव में ट्रेन हादसे में मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह घटना बंगाईगांव शहर के पास कुजिया नदी के पुल पर हुई। तीनों मृतक एक ही परिवार के सदस्य बताए गए हैं। तीनों की मौत बेंगलुरु एक्सप्रेस डाउन की चपेट में आने से हुई। मृतकों में मां-बेटी भी शामिल हैं। मृतक महिला की पहचान कल्पना बर्मन तथा उनकी बेटी की पहचान प्रिया बर्मन के रूप में हुई है। हालांकि, एक अन्य मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

महिलाओं के लिए अभामामस मध्य गुवाहाटी ने सेमिनार आयोजित की

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस) मध्य गुवाहाटी शाखा की ओर से सेमिनार का आयोजन किया गया। स्पेशल सेल फॉर वूमेन की ओर से प्रणामीका शर्मा एवं मंजूवारा हुसैन ने बताया की महिलाओं को कई तरह की अहम एवं बारीकी जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं को मनोवैज्ञानिक, सामाजिक व कानूनी सहायता किस तरह ली जा सके, इस पर जानकारी दी गई। स्पेशल सेल फॉर वूमेन के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार में महिलाओं को जागरूक करने के साथ साथ घरेलू हिंसा पर किस तरह से आवाज उठा सकें, इस पर भी विस्तार पूर्वक बताया गया। यह सब छोटी-छोटी बातें महिलाओं के लिए जाना बहुत ही जरूरी है। इस कार्यक्रम में काफी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और उन्होंने अपनी जिज्ञासाओं को भी जाना। शाखा अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान पानबाजार थाने की द्वितीय प्रभारी इंदु मोनी गोगोई मौजूद थी। उन्होंने भी काफी प्रशंसा किया किया। शाखा के तरफ से सभी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कन्हैया जयसवाल, कविता खेमका, रेनु खेमका सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा। उल्लेखनीय है कि अभामामस मध्य गुवाहाटी शाखा समय समय पर महिलाओं को जागरूक व स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं।

संपादकीया

निवेश से स्वरोजगार तक

पिछले दो दशकों से हिमाचल ने निजी निवेश को राज्य की अपेक्षाओं और वित्तीय व्यवस्था का साधन माना है तथा इसकी साधना शुरू की है। यह जरूरत का इंतखाब है, इन गलियों में सैलाब है। हिमाचल राज्य में सिर्फ सरकारें ही दायित्व ओढ़ती रही हैं, जबकि अब आर्थिकी के बंटवारे में रोजगार, स्वरोजगार व प्रदेश की आत्मनिर्भरता की क्षमता दिखाई दे रही है। हमारे सामने केरल, गोवा, कर्नाटक, गुजरात व राजस्थान जैसे राज्यों के कुछ मॉडल सहयोगी हो सकते हैं, बशर्ते सरकार यह मान ले कि अब हिमाचली गरीब नहीं, तरक्कीपसंद लोग है। अब हमें गारंटियों के बजाय ऐसे माहौल, सुशासन व नीतियों की जरूरत है, जो प्रतिस्पर्धा के युग में क्षमता से परिपूर्ण समाज व महत्त्वाकांक्षा से लबालब युवाओं को आगे बढ़ाए। सरकारी नौकरी की परवरिश में नीतियां गढ़ते-गढ़ते यह प्रदेश अपनी मूल क्षमताओं को कमजोर करता रहा है। हमने जरूरत से ज्यादा शिक्षा के स्रोत का इस्तेमाल ज्ञान से कहीं अधिक स्कूलों, कालेजों व विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन में किया। हमारे पाठ्यक्रम एक ढर्रे से आगे नहीं जा सके और न ही विश्वविद्यालय स्तर की उच्च शिक्षा को हिमाचल की बेहतरी के लिए केंद्रित किया गया। कौन कहता है कि हिमाचल में रोजगार नहीं या रोजगार के अवसर नहीं, लेकिन शिक्षा की परिपाटी ने हमें सरकारी नौकरी का आवेदन बना दिया। नतीजतन नए रोजगार के अवसरों पर बाहरी प्रदेश के लोगों की शुमारी बढ़ने लगी है। यानी हम रोजगार देने वाले प्रदेशों में अग्रणी बन कर पूरे देश को आमंत्रित कर पा रहे हैं, लेकिन इस क्षमता में हमारे अपने युवाओं की रुचि नहीं। ऐसे में अब सारा ध्यान स्वरोजगार की उद्यमशीलता, ढांचागत सुविधा तथा शैक्षणिक प्रबंधन की ओर करना होगा। प्रदेश में फोरलेन निर्माण से आ रहे भौगोलिक, भौतिक, आर्थिक तथा व्यावहारिक बदलाव को अगर स्वरोजगार की दृष्टि से देखें तो इनके किनारे नए व्यापारिक केंद्र, पर्यटन परिसर, आवासीय बस्तियों तथा ऑटो क्षेत्र की संभावनाएं परिलक्षित हो रही हैं। ऐसे में सरकार स्वयं या निजी क्षेत्र के तहत कम से कम आधा दर्जन निवेश शहरों को स्थापित करे, तो मेरिट आधार पर हिमाचल के पढ़े लिखे कम से कम दस हजार युवाओं को स्वरोजगार का उच्च अवसर मिल सकता है। इसके अलावा हर जिला के विकास से उजड़ते परिवारों को बसाने के लिए पुनर्वास बस्तियों का निर्माण करें, तो हर परियोजना नए रोजगार और नए स्वरोजगार का श्रीगणेश भी करेगी। हिमाचल के प्रमुख सौ शहरों, शहरी या धार्मिक कस्बों में निजी निवेश से आधुनिक बाजार विकसित करें, तो दस से बीस हजार युवाओं के हाथ में सफलता की कुंजी थमाई जा सकती है। प्रदेश में बिखरे ऑटोमोबाइल सेक्टर को मुख्यमार्गों से हटाकर ट्रांसपोर्ट नगरों में बसाने की जरूरत है ताकि इस क्षेत्र में निजी निवेश के जरिए रोजगार-स्वरोजगार का ढांचा और क्षमता का विस्तार हो। बेशक मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू निजी निवेश की राह पर दुबई जा रहे हैं और उम्मीद है कि कुछ परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में सफलता मिलेगी, लेकिन घर में पैदा हो रहे निवेश और निवेशक को अंगीकार करने की जरूरत है। पिछली जयराम सरकार ने धर्मशाला में एक सफल इन्वेस्टर मीट का सेहरा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहनाया, लेकिन जमीन पर न निवेश और न ही रोजगार दिखाई दिया। हिमाचल की जरूरतें, संभावनाएं और आर्थिक आत्मनिर्भरता के संकल्प अगर पूरे करने हैं, तो लाजिमी तौर पर निजी निवेश आकर्षित होगा। चंडीगढ़ के चारों तरफ विकसित होती रियल एस्टेट में अगर पचास प्रतिशत हिमाचली खरीददार हैं, तो अब तक ऊना में एक बड़ा टाउनशिप तथा कुछ अन्य शहरों के करीब दर्जन भर उपग्रह नगर या बस्तियां स्थापित हो जातीं। प्रदेश के मंदिर परिसर अपनी कमाई के बलबूते आधा दर्जन धार्मिक शहरों के ढांचे में रोजगार व स्वरोजगार की असीमित क्षमता का प्रदर्शन कर सकते हैं। हर शहर में अगर निजी निवेश से मल्टी स्पैशियलिटी से परिपूर्ण सिटी अस्पतालों को भूमि उपलब्ध कराई जाए, तो न केवल उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा उपलब्ध होगी, बल्कि सरकारी धन की बचत भी होगी।

हिमाचल राज्य में सिर्फ सरकारें ही दायित्व ओढ़ती रही हैं, जबकि अब आर्थिकी के बंटवारे में रोजगार, स्वरोजगार व प्रदेश की आत्मनिर्भरता की क्षमता दिखाई दे रही है। हमारे सामने केरल, गोवा, कर्नाटक, गुजरात व राजस्थान जैसे राज्यों के कुछ मॉडल सहयोगी हो सकते हैं, बशर्ते सरकार यह मान ले कि अब हिमाचली गरीब नहीं, तरक्कीपसंद लोग है। अब हमें गारंटियों के बजाय ऐसे माहौल, सुशासन व नीतियों की जरूरत है, जो प्रतिस्पर्धा के युग में क्षमता से परिपूर्ण समाज व महत्त्वाकांक्षा से लबालब युवाओं को आगे बढ़ाए। सरकारी नौकरी की परवरिश में नीतियां गढ़ते-गढ़ते यह प्रदेश अपनी मूल क्षमताओं को कमजोर करता रहा है। हमने जरूरत से ज्यादा शिक्षा के स्रोत का इस्तेमाल ज्ञान से कहीं अधिक स्कूलों, कालेजों व विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन में किया। हमारे पाठ्यक्रम एक ढर्रे से आगे नहीं जा सके और न ही विश्वविद्यालय स्तर की उच्च शिक्षा को हिमाचल की बेहतरी के लिए केंद्रित किया गया। कौन कहता है कि हिमाचल में रोजगार नहीं या रोजगार के अवसर नहीं, लेकिन शिक्षा की परिपाटी ने हमें सरकारी नौकरी का आवेदन बना दिया। नतीजतन नए रोजगार के अवसरों पर बाहरी प्रदेश के लोगों की शुमारी बढ़ने लगी है।

संजय इस उत्तर की गहराई को समझ गए। वे जीवन के दर्शन की इस नई व्याख्या को गहराई से समझ रहे थे

महाभारत का जीवन दर्शन

पीके खुरराना

दुर्योधन के अंत के साथ ही कौरवों का शासन समाप्त हो गया, परिवार समाप्त हो गया, अगली पीढ़ी पहले ही समाप्त हो चुकी थी और इस प्रकार कौरवों का अध्याय ही समाप्त हो गया। लेकिन कौरव परिवार से जुड़े दो पुरुष अभी भी बाकी थे। पहले तो धृतराष्ट्र जो आंख से अंधे होने के साथ-साथ पुत्र-प्रेम में भी अंधे थे और राजा होने के बावजूद उन्होंने दुर्योधन के किसी गलत पर ऐतराज नहीं किया, उस पर रोक नहीं लगाई और उसका परिणाम इस रूप में भुगता कि उनका सारा परिवार ही मृत्यु के मुख में चला गया और राजपाट भी जाता रहा।

कुरुक्षेत्र का युद्ध समाप्त हो चुका था। पांडवों ने न केवल कौरवों पर विजय पा ली थी बल्कि वे पांचों भाई जीवित थे और सौ के सौ कौरव भाई मारे जा चुके थे। दुर्योधन का अंत सबसे बाद में हुआ जिसे भीम ने मारा और उसे मारना सचमुच बहुत कठिन साबित हुआ। दुर्योधन के अंत के साथ ही कौरवों का शासन समाप्त हो गया, परिवार समाप्त हो गया, अगली पीढ़ी पहले ही समाप्त हो चुकी थी और इस प्रकार कौरवों का अध्याय ही समाप्त हो गया। लेकिन कौरव परिवार से जुड़े दो पुरुष अभी भी बाकी थे। पहले तो धृतराष्ट्र जो आंख से अंधे होने के साथ-साथ पुत्र-प्रेम में भी अंधे थे और राजा होने के बावजूद उन्होंने दुर्योधन के किसी गलत पर ऐतराज नहीं किया, उस पर रोक नहीं लगाई और उसका परिणाम इस रूप में भुगता कि उनका सारा परिवार ही मृत्यु के मुख में चला गया और राजपाट भी जाता रहा। लेकिन दूसरे व्यक्ति का जिक्र कहीं अधिक आवश्यक है। संजय, जिन्होंने बिना युद्ध भूमि में गए दिव्य आंखों के माध्यम से धृतराष्ट्र को युद्ध का सारा हाल सुनाया था, अंततः युद्धभूमि में जा पहुंचे। युद्ध समाप्त हो चुका था। चारों ओर केवल वीराना था। न कोई पूछने वाला, न कोई सुनने वाला, न सुनाने वाला। उन्होंने कुरुक्षेत्र की भूमि की ओर देखा और मन ही मन सोचने लगे कि क्या यह वही धरा है जहां इतना बड़ा युद्ध हुआ था जिसने केवल 18 दिनों के अंतराल में विश्व के तमाम पुरुषों को मृत्यु के मुख में झोंक डाला, क्या यहां सचमुच कभी युद्ध हुआ भी था, क्या इस धरती ने इतना खून सोख लिया है, क्या यह वही धरती है जहां धर्मराज युधिष्ठिर और उनके भाइयों ने भगवान कृष्ण की छत्रछाया में युद्ध लड़ा था और अपने हर विरोधी को मार गिराया था? संजय असमंजस में थे। उन्हें कुछ नहीं सूझ रहा था। तभी उन्हें एक मद्धम-सी आवाज सुनाई दी। संजय ने मुड़ कर देखा तो ऐसा लगा मानो धूल का बवंडर उठा हो। बवंडर ने उन्हें घेर लिया और फिर एकदम से सब शांत हो गया। धूल के बवंडर में से एक दिव्य पुरुष दिखाई पड़ रहे थे। वे उम्रदराज लग रहे थे और शांतिपूर्ण आभा के

साथ-साथ उनके चेहरे पर अनुभव की परिपक्वता भी नजर आ रही थी। 'मुझे मालूम है कि तुम कुरुक्षेत्र के युद्ध के विषय के बारे में जानना चाहते हो, परंतु तुम ऐसा नहीं कर पाओगे जब तक कि तुम पहले यह न समझ लो कि युद्ध का असली कारण क्या है?' दिव्य पुरुष ने कहा। संजय तुरंत समझ गए कि वे एक ऐसे दिव्य पुरुष के सम्मुख हैं जो युद्ध के बारे में किसी भी अन्य व्यक्ति से ज्यादा जानते हैं। उन्होंने उस दिव्य पुरुष को आदर से प्रणाम किया और पूछा, 'कृपया जरा खुलासा करके बताएं कि आप क्या कहना चाहते हैं?' दिव्य पुरुष ने गहरी मुस्कुराहट के साथ कहा, 'महाभारत युद्ध जीवन का दर्शन है, और इस युद्ध में विजयी होना हमारा लक्ष्य है।' संजय सोचने पर विवश हो गए। कई विचार और प्रश्न उनके दिमाग में उमड़-घुमड़ रहे थे। उन्होंने नम्रतापूर्वक दिव्य पुरुष से पूछा, 'क्या आप कृपा करके बताएंगे कि वह जीवन-दर्शन क्या है?' 'हां, अवश्य', दिव्य पुरुष ने कहा, 'इसीलिए तो मैं आया हूं। अब ध्यान से सुनो। पांच पांडव और कोई नहीं तुम्हारी पांचों इंद्रियां हैं। आंखें जिनसे तुम देखते हो, कान जिनसे तुम सुनते हो, नाक जिससे तुम सूंघते हो, जीभ जिससे तुम्हें स्वाद का भान होता है और तुम्हारी त्वचा जिससे तुम स्पर्श करते हो। ये पांच इंद्रियां ही पांच पांडव हैं, लेकिन क्या तुम जानते हो कि कौरव कौन हैं?' संजय ने इन्कार में सिर हिलाया तो दिव्य पुरुष ने जवाब दिया, 'कौरव संसार में विद्यमान सौ बुराइयां हैं जो रोज तुम पर आक्रमण करती हैं। अच्छी बात यह है कि तुम इन बुराइयों से लड़ सकते हो, इनका मुकाबला कर सकते हो और इनका नाश कर सकते हो। लेकिन क्या तुम जानते हो कि ऐसा कैसे संभव है?' संजय ने एक बार फिर इन्कार में सिर हिलाया तो दिव्य पुरुष ने अपनी धीर-गंभीर वाणी में कहा, 'बुराइयों का नाश तभी संभव है जब भगवान कृष्ण तुम्हारे रथ पर विद्यमान हों और रथ की लगाम उनके हाथ में हो। कृष्ण तुम्हारी आत्मा की आवाज हैं। तुम जब भी कुछ सोचते हो या करते हो तो तुम्हारी आत्मा तुम्हारी पथ प्रदर्शक होती है। यदि तुम आत्मा की आवाज सुनो और अपने जीवन के रथ की लगाम आत्मा को सौंप दो, तो फिर तुम्हारी चिंताएं समाप्त हो जाती हैं।' जीवन के दर्शन की इस व्याख्या ने संजय को विचारों के एक और तूफान के बीच ला खड़ा किया। परंतु उन्होंने शीघ्र ही खुद को संभाला और यह निश्चय किया कि इस दिव्य पुरुष से बात करके वे अपनी सभी शंकाएं दूर करेंगे। अतः उन्होंने प्रश्न किया, 'हे देव, मुझ पर कृपा कीजिए और मुझे यह बताइए कि यदि कौरव बुराइयों के प्रतीक हैं तो द्रोणाचार्य और भीष्म सरीखे गुरुजन उनके साथ क्यों हैं?' दिव्य पुरुष इस प्रश्न पर कुछ विचलित दिखे और वे कुछ उदास हो गए, लेकिन संजय की शंका का समाधान उन्होंने फिर भी किया, 'इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे तुम बड़े होते हो, तब तुम अपने ही तर्कों और अपनी कल्पना की उड़ान का विश्लेषण कर सकते हो। तब तुम्हें यह देखना आवश्यक है कि असल में कुतर्क का सहारा लेकर कुछ ऐसा करने तो नहीं जा रहे जो तुम्हें नहीं करना चाहिए या तुम्हारी कल्पना की उड़ान तुम्हें कुछ ऐसे रंगीन सपने दिखा रही है जो अनैतिक हैं, अनुचित हैं? तब तुम्हें अपनी आत्मा की आवाज को सुनना होगा। बड़े होते समय यही सबसे कठिन काम है। सच है कि यह कठिन है, पर यह संभव है।' संजय धम्म से जमीन पर बैठ गए, इसलिए नहीं कि वे थकान महसूस कर रहे थे, बल्कि इसलिए कि दिव्य पुरुष की बातों ने उनके सारे अस्तित्व को घेर लिया था। वे उन बातों पर, जीवन दर्शन की उस नई व्याख्या पर मंथन कर रहे थे। उनका दिमाग स्पष्ट होता चल रहा था, पर फिर एक और शंका ने आ घेरा। वे धीरे से बुदबुदाए, 'जीवन के इस दर्शन में कर्ण कौन है?' 'तुम धन्य हो संजय। तुम्हारा यह सवाल बहुत अर्थपूर्ण है। मुझे खुशी है कि मेरे जाने से पहले तुमने यह सवाल पूछ लिया। सुनो, कर्ण तुम्हारी इंद्रियों का चहेता है। यह तुम्हारी 'कामना' है, 'इच्छा' है। वह तुम्हारा ही हिस्सा है, तुम्हारी इच्छा तुम्हारे दिमाग की उपज है, लेकिन वह बुराइयों के साथ खड़ी है। क्या तुम नहीं देखते कि अपनी इच्छापूर्ति के लिए तुम हर अनैतिक काम करने को तैयार रहते हो? उसे नैतिक बताने के लिए बहाने तलाशते हो? क्या तुम्हारी इच्छा तुम्हें बुराइयां अपनाने को नहीं उकसाती?' संजय इस उत्तर की गहराई को समझ गए। वे जीवन के दर्शन की इस नई व्याख्या को गहराई से समझ रहे थे। विचारों का झंझावत अब भी चल रहा था, नए विचार मन में आ-जा रहे थे, लेकिन दिमाग साफ था, दिमाग के जाले उतर चुके थे। यह स्पष्ट था कि जीवन को सफल बनाने के लिए हमारी दिशा क्या होनी चाहिए और हमारे प्रयत्न कैसे होने चाहिएं। विचारों से उबर कर संजय ने सिर उठाया ताकि वे उस दिव्य पुरुष को धन्यवाद दे सकें, लेकिन वहां कुछ नहीं था, बवंडर भी नहीं था, प्रकृति की शांति थी और सुहानी बयार थी। जीवन का सार उन्हें समझ आ गया था और युद्ध की विभीषिका के बावजूद वे शांतचित्त थे क्योंकि वे भी अपना युद्ध जीत चुके थे।

दृष्टि कोण

गरीबी और घोटालों से त्रस्त इंडिया

भारत में हाल ही में तीन विरोधाभासी खबरें पढ़ने को मिलीं जिनमें एक तरफ महज 2623 लोग बैंकों के 1.96 लाख करोड़ रुपए डकार गए, वहीं कनाडा के फ्रेजर इंस्टीट्यूट द्वारा 'विश्व की आर्थिक स्वतंत्रता : 2021 वार्षिक रिपोर्ट' नई दिल्ली स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर सिविल सोसाइटी के संयोजन से जारी की गई है जिसमें आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक पर भारत 165 देशों में से एक पायदान गिरकर 87वें स्थान पर आ गया है। पिछले साल की रैंकिंग में भारत 86वें स्थान पर था। उधर 2023 की ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत 125 देशों में से 111वें स्थान पर है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत का स्कोर 28.7 है जो भुखमरी के गंभीर स्तर को दर्शाता है। यह पड़ोसी देशों पाकिस्तान (102वें), बांग्लादेश (81वें), नेपाल (69वें) और श्रीलंका (60वें) के बाद आता है। विश्व के तीन में से अत्यंत गरीब लोगों में से एक भारतीय है। वैश्विक आर्थिक प्रगति के हिसाब से विश्लेषण करें तो इस

समय अमेरिका 26954 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। इसके बाद चीन 17786 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है। जर्मनी 4430 अरब डॉलर के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बाद जापान 4231अरब अमेरिकी डॉलर के साथ चौथे स्थान पर है। भारत 3730 अरब यूएस डॉलर के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है। निश्चित तौर पर एक तरफ जहां भारत आर्थिक प्रगति की राह पर चलता दिखता है तो वहीं विलफुल डिफाल्टर्स और गरीबी के मोर्चे पर असमानताएं चिंतित करने वाली हैं। भारत में अभी भी 23 करोड़ से अधिक लोग गरीब हैं। सवाल उठता है कि यदि हम तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर हैं तो फिर 2028 तक 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त अनाज और अनेकों मुफ्त की योजनाओं का क्या औचित्य बनता है? क्या अधिकांश भारतीय हमेशा सरकारी प्रश्रय से चलने वाली लोकलुभावन योजनाओं पर गुजर बसर करने के लिए मोहताज रहेंगे। जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था के आंकड़े भारत के लिए सुकून पहुंचाने वाले हैं तो वहीं आंतरिक मोर्चे पर विलफुल डिफाल्टर्स के कारण बैंकों की वित्तीय स्थिति गंभीर बनी हुई है और सरकार के लिए किरकिरी का पर्याय भी बनी हुई है। यह सुखद है कि भारत की अर्थव्यवस्था में पारंपरिक ग्रामीण खेती, औद्योगिक पैमाने की कृषि, हस्तशिल्प और आधुनिक उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। अच्छी तरह से शिक्षित अंग्रेजी बोलने वाली आबादी के साथ, भारत सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, बिजनेस आउटसोर्सिंग सेवाओं और सॉफ्टवेयर श्रमिकों का एक प्रमुख निर्यातक है जैसे कारकों के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत प्रगति करता नजर आता है, लेकिन महज 2623 लोगों द्वारा विभिन्न बैंकों का 1.96 लाख करोड़ रुपए हजम कर लेना और डकार भी नहीं मारना खेदजनक है। यह उन अधिकांश भारतीयों के गालों पर करारा तमाचा है जिनकी पहले तो छोटे मोटे ऋण लेने के चलते एड़ियां घिस जाती हैं, ऊपर से तमाम किस्तें चुकाने के बाद जब वे सुनते हैं कि चंद घोटालेबाज बैंकों से मोटा कर्ज लेकर विदेशों को नौ-दो ग्यारह हो गए हैं तो उन पर क्या बीतती होगी? ऊपर से सरकार उस कर्ज को राइट ऑफ करके साधारण कर्जदाताओं का उपहास उड़ाती नजर आती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि करीब 10.6 लाख करोड़ रुपए का कर्ज राइट ऑफ किया है यानी बट्टे खाते में डाल दिया है।

कुछ अलग

भाई यह कैसी सदी आई

अपने देश में जो काम होता है, पूरी निष्ठा के साथ होता है। इसीलिए तो इस देश को निष्ठावान देश कहा जाता है। आज से नहीं सदियों से कहा जाता है। यह मामूली बात है कि वक्त गुजरने के साथ-साथ यहां लोगों की निष्ठा के पैमाने बदल गए हैं। मुखौटे तशरीफ ले आए हैं। वे दिन गए, जब अध्ययन के दिनों में पूरी निष्ठा से पढ़ाई और अध्यापन के दिनों में पूरी निष्ठा के साथ अध्यापन होता था। इस देश के लोगों के प्रतिबद्ध संस्कारों की कसम पूरी दुनिया में खाई जाती रही। अब वक्त बदल गया। संस्कार तो वही हैं। निष्ठा भी वही है और प्रतिबद्धता भी वैसी ही है। लोगों की स्थिति को देखने, सपनों की उड़ान भरने के दृष्टिकोण बदल गए हैं। पहले तप-तपस्या और मेहनती लोगों की भूमि था यह देश। बरसों तप करते और तब लोग अपना अभीष्ट सिद्ध करने का साहस करते। अब तो प्यारे, दुनिया अजब हड़बड़ी में नजर आती है। आज भी यहां संस्कृति और संस्कार की बातें होती हैं, लेकिन ये बातें शार्टकट संस्कृति की हैं, हथेली पर सरसों जमाने के संस्कारों की हैं। अब यहां हर हवेली में चोर दरवाजे रखने आवश्यक हो गए हैं, और उम्र भर भरपूर मेहनत के साथ सीधी सपाट राह पर चलते हुए सफलता प्राप्त करने की इच्छा को बौड़म माना जाता है। कभी पढ़ने लिखने को तप-तपस्या से जोड़ा जाता था, लेकिन अब तपस्या ऐसी हो जो महाग्रंथों को पढ़ने के स्थान पर उनकी सरल गाइड बनाए, और अध्यापक ऐसा जो आपको नकल के मोरपंख लगा कर उड़ना सिखाए। न भी उड़ सको तो क्या? सफलता की खबर आजकल सफल होने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। प्रचार खबरों में जियो बन्धु! सच्ची नहीं तो अपने लिए झूठी खबरों का तूमार खड़ा कर लो। खलनायक से नायक बनने में देर ही कितनी लगती है। सिर्फ मीडिया को गोद में लेने की बात है। तभी तो आजकल इसे दुलार कर गोदी मीडिया कहा जाता है। इसे पटा लो, तुम्हारी सात समुद्र पार तक अपनी विजय पताका लहराते देर नहीं लगेगी। नई सदी की नई हवा बही है, 'पढ़ाई नहीं नकल में महारत हासिल करके ठेले पर हिमालय लाद कर ला सकते हो।' अध्यापक वह जो कक्षा में पढ़ाए तो न, केवल आपके लिए नम्बरों का जुगाड़ करे। जुगाड़ क्यों, आजकल तो मौसम गारंटी देने का है। बस, अपनी धरती छोड़ परायी धरती पर जा बसने की इच्छा रखने वालों को परीक्षा में उचित बैंड दिलवा देने की गारंटी दे दो, फिर तुम्हारी पौबारह है। जिसे आपने वैध या अवैध रूप से पराये देश भिजवा दिया, वह तो आपकी चरणरज्ज को स्वर्ण रज्ज बना ही देगा। जिन्होंने 'अधिक गलत काम सही तरीके से' आपको विदेश भिजवाने का काम जमा लिया है, उन्होंने तो अपने देश में ही अमरीका, कनाडा बना लिया। देखते नहीं हो, रुपए का मूल्य डालर के मुकाबले रिकार्ड स्तर पर गिर गया है। लोग विनिमय दर के बदल जाने से बैठे बिठाए करोड़पति हो गए। उनके पास न हींग था न फिटकरी, लेकिन देखो रंग कितना चोखा आ गया। इसी को तो ठेले पर हिमालय लाद कर लाना कहते हैं। आजकल न जाने कितने चतुर सुजान अपने-अपने ठेले पर हिमालय लाद कर ला रहे हैं, और तुम उसी प्रकार पूरी निष्ठा के साथ रोजगार दफ्तरों के बाहर अपने प्रमाणपत्रों का पुलिंदा उठाए खड़े हो। काश! इस पुलिंदे की जगह तेरे पास नोटों का पुलिंदा होता तो तुझे किसी कतार में खड़े होने की जरूरत न पड़ती। अपना हांका देकर नौकरी लेता, और फिर नेता जी की जय का नारा बुलंद करके कह देता, देखो इनके आते ही नौकरियों का चाहवानों में चोरी छिपे बिकना बंद हो गया। अब तो खुली बोली लगती है। जो मोल चुका सके, नौकरी बेगम उसी की हुई।

देश दुनीया से

कर्ज में डूबा है राज्य, नए मुख्यमंत्री के सामने खड़ा है चुनौतियों का बड़ा पहाड़

चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बड़ी गारंटियां मरुधरा की जनता को दीं। अब राजस्थान में भी डबल इंजन की सरकार है, लेकिन प्रदेश के नए मुखिया के सामने चुनौतियों का बड़ा पहाड़ भी खड़ा है। कमजोर वित्तीय प्रबंधन से जूझ रहे राजस्थान में गारंटियां कैसे पूरी होंगी? पिछली सरकार की लोक-लुभावन योजनाओं का क्या होगा? यह एक बड़ा सवाल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचार के दौरान राजस्थान में महंगे पेट्रोल-डीजल का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कीमतें कम करने का वादा किया था।

राजस्थान में भाजपा की सत्ता में वापसी हो गई है। शुक्रवार को नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शपथ ग्रहण कर लेंगे। कांग्रेस सरकार की नाकामियों को गिनाकर भाजपा सत्ता में लौटी है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बड़ी गारंटियां मरुधरा की जनता को दीं। अब राजस्थान में भी डबल इंजन की सरकार है, लेकिन प्रदेश के नए मुखिया के सामने चुनौतियों का बड़ा पहाड़ भी खड़ा है। कमजोर वित्तीय प्रबंधन से जूझ रहे राजस्थान में गारंटियां कैसे पूरी होंगी? पिछली सरकार की लोक-लुभावन योजनाओं का क्या होगा? यह एक बड़ा सवाल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचार के दौरान राजस्थान में महंगे पेट्रोल-डीजल का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कीमतें कम करने का वादा किया था। भाजपा शासित अन्य प्रदेशों से राजस्थान में 10-11 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल महंगा है। कड़ी आलोचनाओं के बाद भी अशोक गहलोत सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं घटाई थीं। दरअसल, राजस्थान सरकार को पेट्रोल-डीजल पर वैट से भारी कमाई हो रही है। वर्ष 2021-22 और 2022-23 में राज्य सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर वैट से 35,975 करोड़ रुपए का टैक्स जुटाया, जो देश के 18 राज्यों द्वारा वसूले गए 32,000 करोड़ के टैक्स से ज्यादा है। नई सरकार को पेट्रोल-डीजल की कीमतें अन्य भाजपा शासित प्रदेशों के बराबर करनी होंगी। अभी हो रही कमाई की भरपाई कहां से होगी, यह नई सरकार के लिए एक चुनौती रहेगी। चुनाव से कुछ महीने पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में मुफ्त बिजली योजना शुरू की। मुफ्त बिजली योजना सरकार को भारी पड़ रही है। बिजली कंपनियां कंगाली के मुहाने पर पहुंच चुकी हैं। घाटा 1.20 लाख करोड़ से भी ज्यादा हो चुका है। फिलहाल घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट और किसानों को 2000 यूनिट प्रतिमाह बिजली मुफ्त दी जा रही है। मुफ्त बिजली योजना से अभी सरकार के खजाने को 7000 करोड़ रुपए वार्षिक का बोझ सहन करना पड़ रहा है। चूंकि, नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछली सरकार की जनहित योजनाओं को जारी रखने का वादा किया है तो इस घाटे को पूरा करना उनके लिए बड़ी चुनौती रहने वाली है। अशोक गहलोत अपनी चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को सबसे ज्यादा प्रचारित करते आ रहे थे। उन्होंने पिछले बजट में बीमा राशि को 25 लाख रुपए कर दिया था। उनका चुनावी वादा था कि पुनः सरकार आने पर 50 लाख का बीमा दिया जाएगा। भाजपा शासित राज्यों में पांच लाख रुपए का आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा मिलता है। यह भी सभी के लिए नहीं है, जबकि राजस्थान में सभी को बीमा का लाभ दिया जा रहा है। चिरंजीवी योजना पर निर्णय लेना नई सरकार के लिए आसान नहीं होगा। अशोक गहलोत ने वरिष्ठ नागरिकों की वृद्धावस्था पेंशन बढ़ा दी थी और हर साल 15 फीसदी बढ़ोतरी का प्रावधान किया। इससे राज्य पर 12,000 करोड़ रुपए सालाना का बोझ पड़ा। इस योजना में अभी केंद्र सरकार का योगदान मात्र 367 करोड़ रुपए का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्जवला गैस धारकों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का वादा किया है। राजस्थान में 76 लाख परिवार उज्जवला के अंतर्गत आते हैं। ऐसे में नई सरकार पर 750 करोड़ रुपए से ज्यादा का बोझ पड़ने वाला है। अभी योजनाओं को लागू करने के लिए राजस्थान सरकार भारी कर्ज ले रही है। सरकार ने इसी साल अप्रैल से अगस्त की तिमाही में 12,288 करोड़ कर्ज लिया और अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही में फिर 14,000 करोड़ का कर्ज लेने की ओर सरकार बढ़ गई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022-23 में राजस्थान का कर्ज बढ़कर 5 लाख 37 हजार 013 करोड़ हो चुका है। पंजाब के बाद राजस्थान देश में सबसे ज्यादा कर्ज में डूबा राज्य है। वित्तीय प्रबंधन के अलावा नई सरकार के आगे कानून व्यवस्था बड़ी चुनौती रहने वाली है, क्योंकि यही एक ऐसा मुद्दा है, जिसे भाजपा ने सबसे ज्यादा उछाला था। दूसरा प्रतियोगी परीक्षाओं को करने के लिए भी नई सरकार को ठोस योजना बनानी पड़ेगी। राजस्थान अभी पेपर लीक के लिए बदनाम है। सांप्रदायिक सौहार्द बनाना भी नए मुख्यमंत्री के लिए बड़ा चैलेंज होगा, क्योंकि पिछले 5 सालों में करौली, भीलवाड़ा, जोधपुर समेत कई शहरों में सांप्रदायिक हिंसा हुई है। अभी 100 दिन की कार्ययोजना की बात भाजपा की ओर से की जा रही है। लोकसभा चुनाव तक पुरानी सरकार की योजनाएं चलती रहेंगी, ऐसा लगता है। 6 महीने बाद स्पष्ट होगा कि नए मुख्यमंत्री का विजन क्या है और वो जनता की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरे।

आप का नजरीया

'अंत्योदय' मुख्यमंत्री

जिस तरह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री घोषित कर चौंकाया गया, उससे कहीं अधिक आश्चर्य राजस्थान के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर हुआ। मुख्यमंत्री चुनना भाजपा-संघ परिवार का अंदरूनी मामला नहीं है। मुख्यमंत्री एक संपूर्ण राज्य के सूत्रधार और 'प्रथम पुरुष' होते हैं। सिर्फ जातीय चेहरों को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या स्पीकर बना देने से उन गरीब, वंचित, खाली हाथ समुदायों की समस्याओं और तकलीफों को संबोधित नहीं किया जा सकता। भाजपा-संघ नेतृत्व नहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने ही इन मुख्यमंत्री चेहरों को चुना है। वह राजनीति में भी 'अंत्योदय' लागू करना चाहते हैं, लिहाजा पिछली कतार में बैठे, कम चर्चित विधायकों को मुख्यमंत्री के तौर पर चुना गया। सिर्फ व्यक्तिगत वफादारी, संघ के प्रति निष्ठा और उसकी पृष्ठभूमि के आधार पर ही मुख्यमंत्री नहीं चुने जाने चाहिए। मुख्यमंत्री पद के लिए प्रशासनिक अनुभव, सामूहिक आह्वान और नीतियां-कार्यक्रम तय करने की रणनीतिक बौद्धिकता भी बेहद अनिवार्य हैं। हम भाजपा के नए मुख्यमंत्रियों की प्रतिभा पर कोई सवाल नहीं कर रहे हैं। सवाल लोकतांत्रिक राजनीति पर है। कांग्रेस में आलाकमान के नाम पर 'गांधी परिवार' है और भाजपा में नेतृत्व सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी अथवा कुछ हद तक अमित शाह हैं। दरअसल भाजपा में लोकतंत्र और राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। लोकतंत्र का तकाजा है कि निर्वाचित विधायक ही आपसी विमर्श के बाद अपना नेता, यानी मुख्यमंत्री, का चुनाव करें। उनके बीच विवाद भी पनप सकते हैं। मतदान की नौबत आ सकती है, लेकिन ऐसी परिस्थितियां लोकतंत्र का ही रूप हैं। यदि शीर्ष पर बैठा एक नेता अपनी पसंद का नाम पर्यवेक्षक को बता दे और उसी के आधार पर शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे, डॉ. रमन सिंह सरीखे धुरंधरों, कद्दावर राजनीतिक मनीषियों को एकदम 'बेमानी' करार देते हुए हाशिए पर धकेल दिया जाए, तो उसे शीर्ष वाले नेता की 'नापसंदगी' वाली राजनीति ही कहेंगे। भाजपा में जो नेता एकदम अप्रासंगिक कर दिए गए हैं, उन्होंने भी दशकों के परिश्रम, अपने जनाधार की बदौलत, पार्टी को स्थापित किया था। सत्ता तक पहुंचना सिखाया था, उन्हें एकदम 'सेवानिवृत्त' क्यों किया जाना चाहिए? वे नेता पार्टी में तब पदों पर थे अथवा मुख्यमंत्री बने थे, जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं थे। वह भाजपा में संगठन महासचिव हुआ करते थे। उनके विकास में इन खारिज नेताओं का भी योगदान रहा है। ऐसी राजनीति के अपने खतरे, जोखिम और चुनौतियां भी हैं। शिवराज का यह बयान उनका भीतरी आत्तनाद-सा लगता है कि अपने लिए कुछ मांगने की बजाय मरना पसंद करूंगा। यह पराकाष्ठा की मानसिक स्थिति है। बेशक सभी चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर लड़े गए, लेकिन क्षेत्रीय क्षत्रपों का भी कुछ योगदान होगा।

मोदी के नेतृत्व में भारत जल्द ही बनेगा तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति : ओमप्रकाश धनखड़

झज्जर (हिंस)। फिलहाल भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था है। पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व में जर्मनी और जापान को पछाड़कर भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति और अमृतकाल के आगामी 25 वर्षों में वर्ष 2047 तक दुनिया का सिरमौर राष्ट्र बन जाएगा। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने बादली हलके के गांव खुडन व एसपी माजरा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। धनखड़ ने कहा कि देश को दुनिया का सिरमौर राष्ट्र बनाने का संकल्प लेकर जाएं और हर युवा अपनी महती भूमिका निभाएं। युवा वर्ग बड़ी सोच और सपने के साथ लक्ष्य तय करें। हमने युवा व्यवस्था में सपना देखा था कि

कश्मीर से धारा 370 हटे और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो। इसके लिए बड़े स्तर पर प्रयास हुए और आज हम अपने सपने साकार होते देख रहे हैं। केंद्र में भाजपा की मोदी सरकार ने धारा 370 हटा दी, माननीय सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगा दी। अयोध्या में श्रीराम का भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो रहा है और 22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह देशवासियों के लिए गौरव के पल होंगे। आज की युवा पीढ़ी वर्ष 2047 तक देश को दुनिया का सिरमौर राष्ट्र बनाने का सपना देखे और इस कार्य में मोदी के साथ संकल्प लेकर जुट जाएं। धनखड़ ने राष्ट्रीय सचिव ने कार्यक्रम में स्टॉलों का अवलोकन किया, पात्र महिलाओं को गैस कनेक्शन सौंपे, विकसित भारत बनाने के संकल्प की शपथ दिलाई और सराहनीय कार्य करने वाले नागरिकों व छात्रों को सम्मानित किया। एम्स बाड़सा स्थित एनसीआई में प्राइवेट वार्ड और कैंसर मेडिसन इनोवेशन केंद्र (सीएमआई) की सौगात देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एनसीआई बाड़सा में कैंसर जैसी घातक बिमारी के इलाज के लिए दवाईयों पर नवाचार के साथ शोध होगा और मरीजों को नया जीवन मिलेगा। धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी देश में हर नागरिक को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। आयुष्मान भारत योजना इसका प्रतीक है।

अकाली दल के स्थापना दिवस पर सुखबीर बादल ने बेअदबी के लिए मांगी माफी

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने पार्टी के 103वें स्थापना दिवस पर श्री अकाल तख्त साहिब से उनकी सरकार के कार्यकाल में हुई बेअदबियों के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय बादल को पूरी जिंदगी मलाल रहा है कि बेअदबियां उनके सीएम रहते हुई और ऐसे हालात बने, उन्हें मामला सीबीआई को देना पड़ा। वह दोषियों को खुद पकड़ न सके। सुखबीर बादल ने कहा कि स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल को दुख था कि उन्हें दोषियों को पकड़ने का मौका नहीं दिया गया। ताकतें ऐसी इकट्ठी हुई और सियासत हुई। सभी ने इकट्ठे होकर कौम की भावनाओं को भड़काया। इस तरह का दबाव डाला गया कि मामला सीबीआई को देना पड़े और अकाली दल इसकी जांच ना कर सका। बेअदबी के समय सभी अकाली दल व बादल-बादल करते रहे। बादल ने कहा कि दूसरी सरकारों के समय जब

गोल्डन टेंपल श्री आनंदपुर साहिब और पटियाला में बेअदबी हुई तो किसी ने आवाज नहीं उठाई। 10-11 जगह बेअदबी हुई तो किसी के पास कोई टाइम नहीं था कि जाकर देख सकें। सुखबीर बादल ने कहा कि 1984 में दरबार साहिब पर हमले हुए। हजारों का कत्लेआम किया गया, लेकिन उस पार्टी को हमने बार-बार सरकार बनाने का मौका दिया और उसने हम पर हमेशा वार किए। सुखबीर बादल ने पानी के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पंजाब में अकाली दल ने कभी सियासत नहीं की, वे हमेशा पंजाब के लिए लड़ते आए हैं। पहले के सियासतदानों ने पंजाब का 50 प्रतिशत पानी बिना सोचे समझे राजस्थान को दे दिया। जब हरियाणा बना तो बचे पानी में से 25 प्रतिशत फिर दे दिया गया। अब सिर्फ पंजाब अपने पानी का 25 प्रतिशत ही प्रयोग कर पा रहा है।

पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए रेलवे ने रेलगाड़ियां देने से किया इनकार

चंडीगढ़(हिंस)। रेल मंत्रालय ने पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना पर ब्रेक लगा दिए हैं। रेलवे ने इस योजना के लिए पंजाब को रेलगाड़ियां देने से इनकार कर दिया है। इसके चलते अब कुछ दिनों तक यह योजना केवल पंजाब में ही बसों से चलेगी। धार्मिक यात्रा करने वाले बुजुर्ग पंजाब से बाहर नहीं जा सकेंगे । पंजाब सरकार ने 27 नवंबर को गुरुपर्व के मौके पर *मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा* योजना शुरू की थी। इस पर योजना का विरोध करके एडवोकेट एचसी अरोड़ा की तरफ से पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। बीती सुनवाई में हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए कहा है। इधर, फरवरी तक ट्रेनें न होने की जानकारी रेलवे ने मौखिक तौर पर पंजाब सरकार को दी है। रेलवे का तर्क है कि उनके पास जनरेटरों की कमी है, जिसके चलते एसी ट्रेनों की उपलब्धता नहीं हो पाएगी। फिलहाल पंजाब सरकार भी रेलवे की तरफ से लिखित आदेश के आने का इंतजार कर रही है। दूसरी तरफ, पंजाब सरकार विभिन्न गुरुधामों के दर्शनों के लिए रेलवे को 1 करोड़ रुपए से अधिक एडवांस दे चुकी है। अभी तक एक ही ट्रेन पंजाब सरकार की तरफ से शुरू की गई थी, जिसमें एक हजार के करीब श्रद्धालुओं ने अमृतसर से नंदेड़ साहिब तक की यात्रा की थी। साप्ताहिक टूर में यात्रियों को खाने-पीने से लेकर रहने व दर्शनों तक के सारे इंतजाम पंजाब सरकार की तरफ से किए गए थे।

राज्य में उपमुख्यमंत्री का कोई संवैधानिक पद नहीं, फिर शपथ क्यों : डोटासरा

जयपुर (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जयपुर के अलबर्ट हॉल पर मनोनीत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ उपमुख्यमंत्री के रूप में दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा के शपथ ग्रहण को लेकर गुरुवार को सवाल खड़ा किया है। विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद शुक्रवार को विधायक दल के नेता के रूप में सांगानेर से विधायक सदस्य भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री तथा दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इस बारे में राजभवन की सूचना के बाद सरकारी स्तर पर निमंत्रण पत्र व विज्ञापन भी जारी किए गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए डोटासरा ने लिखा कल होने वाले कार्यक्रम के सरकारी निमंत्रण में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण का विवरण लिखा गया है, जबकि संविधान की धारा 163 व 164 में ऐसे किसी पद की शपथ का विवरण नहीं है।

कोटा में प्रबुद्ध महिला सम्मेलन *तेजस्विनी* 17 को

कोटा (हिंस)। भारतीय जन कल्याण समिति द्वारा रविवार 17 दिसंबर को कोटा में प्रबुद्ध महिला सम्मेलन *तेजस्विनी* का विराट आयोजन किया जाएगा। चित्तौड़ प्रांत की महिला समन्वय सह संयोजिका डॉ. नील प्रभा नाहर ने बताया कि भारतीय संस्कृति में स्त्री की क्षमता और उसके वास्तविक स्वरूप को सामने लाने के उद्देश्य से देशभर में कुल 411 शहरों में प्रबुद्ध महिला सम्मेलन होंगे। प्रदेश के चित्तौड़ प्रांत में अब तक चित्तौड़गढ़, उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद में यह सम्मेलन हो चुके हैं। कोटा के स्वामी विवेकानंद विद्यालय, महावीर नगर तृतीय के श्री रामशान्तय सभागार में यह सम्मेलन प्रात: 11 से शाम 4 बजे तक होगा। आयोजन समिति की संयोजिका डॉ. अनुपमा चतुर्वेदी ने बताया कि एक दिवसीय सम्मेलन में तीन विशेष सत्र होंगे। जिसमें सामयिक विषयों पर चर्चा एवं मंथन होगा। अब तक कोटा व बूंदी जिले की लगभग 1000 महिलाओं का पंजीयन हो चुका है। अल्पाहार व भोजन के अतिरिक्त महिलाओं के मनोरंजन हेतु प्रदर्शनी, स्टाल, सेल्फी पॉइंट व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बढ़ाई सुरक्षा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के कार्यवाहक और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राज्य इंटेलिजेंस पुलिस की अभिशंषा के आधार पर जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। हाल ही में इंटेलिजेंस पुलिस के की ओर से राज्य सरकार को पत्र लिखा गया था। लेकिन भविष्य में इस सुरक्षा व्यवस्था का अन्तिम निर्णय नवगठित सरकार पर छोड़ा है। आदेश में लिखा है कि सुरक्षा व्यवस्था जारी रखने का निर्णय कमेटी करेगी। कमेटी में यह मामला सरकार के गठन के बाद ही भेजा जाएगा। गौरतलब है कि मतगणना के बाद कार्यवाहक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को एक सिक्योरिटी अलर्ट मिलने की बात कही गई है। इस आधार पर उन्हें जेड श्रेणी सुरक्षा का प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय से गृह विभाग के भेजा गया। विभाग की इजाजत के बाद अस्थाई रूप से जेड श्रेणी सुरक्षा का आदेश हुए हैं। इसमें दो-आठ की गार्ड के साथ एस्कॉर्ट की सुविधा भी मिलती है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री गहलोत को यह सुविधा आगे भी मिलती रहेगी या नहीं यह नवगठित सरकार तय करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री को नियमों के मुताबिक यह सुरक्षा नहीं मिलती है। मुख्यमंत्री और राज्यपाल को जेड-प्लस सुरक्षा दी जाती है। सुरक्षा देने के पीछे गोगामेड़ी हत्याकांड के बाद समर्थकों में रोष बताया जा रहा है। इससे निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को खतरा बताया गया। जिसके बाद राज्य इंटेलिजेंस की ओर से सुरक्षा देने की बात कही गई है। निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को तीन डिप्टी एसपी समेत पांच व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) की सुरक्षा मिल गई है। राजस्थान पुलिस की ओर से आठ दिसंबर को जारी हुए एक आदेश के अनुसार गहलोत की सुरक्षा में तीन डिप्टी एसपी, एक पुलिस निरीक्षक और एक सहायक उप निरीक्षक स्तर के पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए है। आदेश में बताया गया है कि पूर्व सीएम गहलोत की सुरक्षा में डिप्टी एसपी किशोरीलाल, डिप्टी एसपी रामनिवास और डिप्टी एसपी नीरज मेवानी को तैनात किया गया है। इसी तरह से पुलिस निरीक्षक जगजीवन राम और सहायक उप निरीक्षक भीम सिंह को भी पांच सदस्यीय पीएसओ टीम में शामिल किया गया है।

मांगों को लेकर आंगनबाड़ी वर्करों एवं हेल्परों ने जिला मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

तेहाबाद (हिंस)। आंगनबाड़ी वर्कर एंड हेल्पर्स यूनियन हरियाणा सीटू के आह्वान पर फतेहाबाद में आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स ने गुरुवार को अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। प्रदर्शन की अध्यक्षता यूनियन की जिला प्रधान सुनीता झलनियां ने की व संचालन माया पीलीमंदौरी द्वारा किया गया। प्रदर्शन के बाद आंगनबाड़ी वर्कर्स ने अतिरिक्त उपायुक्त के मार्फत मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार को मांग पत्र भेजा गया। धरने को संबोधित करते हुए सुनीता झलनिया व माया पूनिया ने कहा कि सरकार ने जो वायदे किए थे, आज तक पूरे नहीं हुए। राज्य में आंगनबाड़ी वर्कर्स/हेल्पर्स द्वारा 2021-22 आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं और हड़ताल के दौरान का काटा गया बकाया मानदेय दिया जाए। बाल वाटिका के नाम पर आंगनबाड़ी केंद्र को उजाड़ना बंद करें। पोषण ट्रैकर एप पर जबरदस्ती काम बंद हो और मोबाइल फोन दिया जाए। आंगनबाड़ी केंद्र का किराया बिना कंडीशन के भुगतान किया जाए। पीएमएमवीवाई के मेहनताने का बकाया, ईंधन की राशि का बकाया, फ्लेक्सी फंड, आंगनबाड़ी केंद्र के कार्य हेतु रजिस्टर व अन्य सामान दिया जाए। खाली पद तुरंत भरे जाएं। वर्कर एवं हेल्पर को कुशलअकुशल की श्रेणी में रखा जाए, ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए, ईपीएफ/ईएसआई की सुविधा प्रदान की जाए और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 रद्द हो। वर्कर को तीसरे दर्जे का व हेल्पर को चौथे दर्जे का कर्मचारी बनाया जाए। इन मांगों को लेकर यूनियन लगातार आंदोलन में है। सीटू के जिला कोषाध्यक्ष बेगराज ने कहा कि मोदी सरकार ने 1500-750 की घोषणा करने के बाद एक पैसा आज तक नहीं दिया है। इसी तरह हरियाणा सरकार ने भी कुशल और अकुशल की जो कैटेगरी में डालने का फैसला लिया था, वह भी आज तक उन्होंने अपना वादा पूरा नहीं किया है। आंगनबाड़ी सेंटरों का किराया भी लगभग डेढ़ साल से बकाया है। पोषण ट्रैकर पर ऑनलाइन काम का दबाव बनाकर मानसिक तौर पर शोषण हो रहा है। ऐसे में आंगनबाड़ी वर्करों और हेल्परों ने आने वाले दिनों में अपना आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है।

आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उमड़ी ग्रामीणों की भारी भीड़

खूंटी (हिंस)। जिले के सभी सभी प्रखंडों एवं नगर पंचायत क्षेत्र में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत् गुरुवार को शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्यमंत्री श्रमिक योजना, स्वयं सहायता समुह निर्माण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित कार्य का निष्पादन किया गया। विभिन्न पंचायतों में अबुआ आवास योजना को लेकर काफी संख्या में लाभुकों की भीड़ देखी गई। लाभुकों के आवेदनों का तत्काल प्रभाव से स्वीकृति मिलने पर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन व सरकार का आभार व्यक्त किया। राशन से संबंधित समस्या, पीडीएस के तहत राशन कार्ड को आधार से लिंक करने, सर्वजन पेंशन योजना का लाभ प्रदान करने, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का लाभ देने, सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना अंतर्गत सुयोग्य लाभुकों को स्वीकृति प्रदान करने, सेवा का गारंटी अधिनियम के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं जैसे जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तथा समाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन आदि से संबंधित लंबित मामलों का त्वरित गति से निस्तारण किया जा रहा है। इसके अलावा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर निबंधन कराने, लंबित दाखिल-खारिज वादों का निष्पादन करने एवं निर्वादित मामलों में लगान रसीद निर्गत करने का कार्य संपादित किया जा रहा है। शिविर में धोती, साड़ी, लुंगी एवं कंबल का विवरण लाभुकों के बीच किया गया। गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत लाभुकों को लाभ देने के साथ ही राज्य सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

बिहार में अडाणी समूह 8,700 करोड़ रुपए करेगा निवेश

पटना (हिंस)। बिहार में अडानी समूह ने 8, 700 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना बनाई है। पटना में आयोजित दो दिवसीय बिहार बिजनेस कनेक्ट-2023 के दूसरे दिन अडाणी समूह के निदेशक प्रणव अडाणी ने कहा कि हम अभी तक राज्य में 850 करोड़ रुपए का निवेश कर चुके हैं। अब हम बिहार में निवेश को 10 गुणा करना चाहते हैं और 8, 700 करोड़ रुपए का निवेश हमारी प्लानिंग है। उन्होंने कहा कि हम अपने वेयरहाउस में 150 एकड़ के स्केल में 1200 करोड़ का निवेश करने की योजना बना रहे हैं। इसमें से एक बड़ा गोदाम पटना में ही होने वाला है। इससे 2, 000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

आतंकवाद, जातिवाद और भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा : योगी आदित्यनाथ

आजमगढ़ (हिंस)। जनपद के दौरे पर गुरुवार को पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहानागंज के अकबेलपुर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए और प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र दिये। इस दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजमगढ़ भय और आतंक के लिए नहीं बल्कि सुंदर संगीत के लिए जाना जाएगा। जिले में सरकार ने संगीत महाविद्यालय की स्थापना कर पहचान बदलने का काम किया है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में जो परिवर्तन आया है उसे हर व्यक्ति महसूस कर रहा है। दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। गरीब कल्याण योजनाओं का लाभ सबका साथ सबके विकास का लाभ सभी को मिला है। आने वाले समय में अब यह संकल्प यात्रा गांव-गांव जाएगी। इसके लिए 536 वीडियो वैन चलाई जा रही है। स्वास्थ्य मेले भी लग रहे हैं। आयुष्मान कार्ड भी बनेंगे। कोई कल्पना कर सकता है कि नौ वर्ष में चार करोड़ घर बनेंगे। यह कल्पना थी लेकिन यह आज वास्तविक धरातल पर उतर रहा है। 50 करोड़ लोगों को पांच लाख स्वास्थ्य बीमा का कवर मिलेगा। प्रदेश में 10 करोड़ लोग लाभान्वित हुए। पहले पैसा देकर भी खाद्यान्न नहीं मिलता था, आज सबको निःशुल्क मिल रहा है । इसकी गारंटी मोदी की गारंटी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजमगढ़ का भाग्योदय हुआ है। भोजपुरी के कलाकार को आपने सांसद बनाया तो विकास दौड़ता है। जनवरी माह में विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य पूरा कर उद्घाटन करेंगे। एयरपोर्ट, पूर्वांचल एक्सप्रेस बना। कोई सोचता था कि संगीत महाविद्यालय बनेगा। एक लाख नौ हजार से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलेगा। सात लाख गरीबों को प्रति माह राशन मिल रहा है। आज यह सपना साकार हुआ है। इस सपने को साकार करने के लिए ही मोदी गारंटी वैन यहां पहुंची है। इस वैन का स्वागत करने के लिए यहां आया हूं। मोदी की गारंटी शत-प्रतिशत क्रियान्वित होने वाली गारंटी है। हम भारतीयों का संकल्प होना चाहिए कि मेरा देश दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में स्थापित हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आतंकवाद, जातिवाद, भ्रष्टाचार को समाप्त करना होगा। शासन की योजना का लाभ बिना भेदभाव के सभी को मिल रहा है। जिन्हें नहीं मिला है, उन्हें जोड़ा जाएगा। इसी लिए आपके बीच आए हैं। हर व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन के लिए आए हैं। किसान को उसकी उपज की गारंटी देंगे। स्किल डेवलपमेंट भी करेंगे। व्यापारी बहन-बेटी की सुरक्षा की गारंटी देंगे। सुरक्षा और सुशासन से ही प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। डबल इंजन की सरकार मजबूती के साथ आपके हितों को पूरा करने के लिए आई है। प्रदेश के अंदर लाखों करोड़ के निवेश को लेकर आए हैं। उद्योग हीं नहीं लगेंगे तो कहां से मिलेगी नौकरी। इस प्रदर्शनी को देखिए। जिन्हें जो समस्या है, उसका समाधान करिए। मोदी गारंटी वैन के लिए हृदय से स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री के संदेश को घर-घर तक पहुंचाना है। मोदी गारंटी जीवन में खुशहाली की गारंटी है। देश और प्रदेश के समृद्धि की गारंटी है। वर्ष 2047 में दुनिया को विकसित देश के रूप में स्थापित करने की गारंटी है।

हाईकोर्ट का फैसला : श्रीकृष्ण जन्मभूमि से सटी शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का होगा सर्वे

मथुरा (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटी शाही ईदगाह परिसर के सर्वे को मंजूरी दे दी है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है दूसरी तरफ ईदगाह कमेटी और वक्फ बोर्ड की दलीलों को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने एक तरफ हिंदू पक्ष की याचिका को स्वीकार किया है तो वहीं दूसरी तरफ शाही ईदगाह परिसर के सर्वे करने के विचार को मंजूरी दी है। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने इससे पहले 16 नवंबर को संबंधित पक्षों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार दोपहर दो बजे मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस की पोषणीयता और कोर्ट कमिश्नर भेजे जाने संबंधी अर्जी पर अपना फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति मयंक जैन की पीठ ने हिंदू पक्ष की याचिका पर सर्वे को मंजूरी दे दी है। न्यायिक पीठ कुल 18 सिविल वादों की सुनवाई कर रही है। प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के तहत वाद की पोषणीयता पर आपत्ति की गई थी। कोर्ट कमिश्नर भेजे जाने संबंधी मंदिर पक्ष की अर्जी पर कोर्ट ने सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड व शाही ईदगाह इंतजामिया कमेटी को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय दिया था जिस पर आज कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए सर्वे को मंजूरी दी है। हाईकोर्ट ने आदेश के अनुसार सर्वे कमिश्नर की नियुक्ति की जाएगी जोकि पूरे सर्वे की निगरानी करेगा। सर्वे की मांग वाली यह याचिका भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और सात अन्य लोगों अधिवक्ता हरिशंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडेय और देवकी नंदन के जरिए दायर की गई थी। याचिका में दावा किया गया है कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली उस मस्जिद के नीचे मौजूद है और ऐसे कई संकेत हैं जो यह साबित करते हैं कि वह मस्जिद एक हिंदू मंदिर है। हाई कोर्ट के फैसले के बाद हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन ने कहा कि मैं अदालत के आदेश का स्वागत करता हूं। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हमारे आवेदन को स्वीकार कर लिया है जहां हमने एडवोकेट कमिश्नर द्वारा (शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वेक्षण की मांग की थी। 18 दिसंबर को रूपरेखा तय होगी। कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की दलीलें खारिज कर दी हैं। यह कोर्ट का एक ऐतिहासिक फैसला है। जन्मभूमि-ईदगाह प्रकरण में हाईकोर्ट ने 16 नवंबर को हुई सुनवाई के बाद सभी 18 केसों से संबंधित वादकारी और प्रतिवादियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का आदेश दिया था। इस याचिका में कहा गया कि वहां कमल के आकार का एक स्तंभ है जोकि हिंदू मंदिरों की एक विशेषता है और शेषनाग की एक प्रतिकृति है जो हिंदू देवताओं में से एक हैं और जिन्होंने जन्म की रात भगवान कृष्ण की रक्षा की थी। याचिका में यह भी बताया गया है कि मस्जिद के स्तंभ के आधार पर हिंदू धार्मिक प्रतीक हैं और नक्काशी में ये साफ दिखते हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया था कि सेशन कोर्ट में दाखिल 18 वादों की फाइलों को हाईकोर्ट ने अपने अधीन सुनवाई के लिए ले रखा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि ईदगाह पक्ष जन्मभूमि की स्थापत्य कला के साथ खिलवाड़ कर सबूतों को नष्ट कर रहा है। इससे पहले ही साक्ष्य नष्ट कर दिए जाएं, हाईकोर्ट से मांग की जाएगी कि ज्ञानवापी की तर्ज पर जन्मभूमि का भी सर्वे कराने का आदेश देने की कोर्ट से अपील की जाएगी। कोर्ट के इस निर्णय से मथुरा के हिंदूवादी संगठनों में हर्ष की लहर दौड़ गयी है। उनका कहना है कि सर्वे की रिपोर्ट से दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। गौरतलब है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस साल मई में मथुरा की अदालत में लंबित श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े सभी मुकदमे अपने पास ट्रांसफर करवा लिए थे।

सांसद धीरज साहू के रांची आवास पर आईटी टीम की छापेमारी

रांची (झारखंड) (हिंस)। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साहू के रांची के रेडियम रोड स्थित आवास पर नौवें दिन भी आईटी (आयकर विभाग) की छापेमारी जारी है। आईटी की टीम रेडियम रोड स्थित आवास की जमीन खोदने की तैयारी कर रही है। रांची स्थित आवास पर गुरुवार को भी आईटी टीम की सक्रियता बढ़ी हुई है। अधिकारी लगातार आवासीय परिसर का काफी बारीकी से जायजा ले रहे हैं। इससे पहले बुधवार को लोहरदगा, रांची और ओडिशा स्थित घर पर आईटी की टीम ने जियो सर्विलांस सिस्टम मशीन के जरिए जमीन की तलाशी ली थी। उल्लेखनीय है कि आयकर की टीम ने गत छह दिसंबर को धीरज साहू से संबंधित कई ठिकानों पर छापेमारी कर रुपए से भरी 30 अलमारी बरामद की थी। उस दिन से नोटों की गिनती जारी है। जानकारी के अनुसार अब तक 500 करोड़ रुपए रुपये मिले हैं। नोटों के अलावा 17 किलोग्राम आभूषण भी मिले थे।

राष्ट्रीय जनतादल महागठबंधन के साथ मजबूती से चुनाव लड़ेगी : मो. कारी शोएब

सहरसा (हिंस)। शहर के जिला अतिथिगृह में विधान परिषद पूर्व युवा प्रदेश अध्यक्ष कारी शोएब साहब ने कार्यकर्ता बंधुओं को संबोधित किया। इस अवसर पर एमएलसी का स्वागत कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा की राष्ट्रीय जनता दल महागठबंधन के साथ पूरी मजबूती के साथ आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही है। भाजपा का पूरे बिहार एवं देश से नफरत एवं झूठे वादों वाली सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी। हमारे नेता तेजस्वी यादव ने जो सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। वो उन वादों को पूरा कर रोजगार के क्षेत्र में पूरे देश के लिए नजीर पेश कर रहे हैं। मौके पर कारी शोएब साहब की उपस्थिति में पूर्व मेयर प्रत्याशी मो नजीर ने भी राजद को ज्वाइन किया। अतिथि गृह में मुख्य रूप से स्वागत करने वालों में जिला अध्यक्ष प्रो मो ताहिर, धनिकलाल मुखिया, गुड्डू हयात, तंजीम अहमद, भूपेंद्र यादव, रघुनाथ यादव, सरोज यादव, भारत यादव, एस सी एस टी जिलाध्यक्ष, भीम कुमार भारती, जिला प्रवक्ता जावेद अनवर, नाथेश्वर यादव, संतोष चौधरी, मनोज यादव, कैलाश पंजियार, मनोज यादव, शंकर कुमार, शाहनवाज आलम, मोबिन अहमद, भास्कर कुमार ठाकुर, मो अरशद, बालकृष्ण मेहता, आशीष आनंद, अमित आनंद एवं सैंकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया कोई बदलाव, दुनियाभर के शेयर बाजारों को मिली राहत

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। बता दें कि अमेरिका में ब्याज दरें 22 साल के अधिकतम स्तर पर हैं। हालांकि केंद्रीय बैंक के बैंकरों ने संकेत दिए हैं कि अगले साल इनमें कटौती हो सकती है। यह दुनियाभर के शेयर बाजारों के लिए राहत की बात है। फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं करने का एलान किया। उल्लेखनीय है कि फेडरल रिजर्व ने बढ़ती महंगाई से निपटने के लिए मार्च 2022 से 11 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। जिसके चलते अमेरिका में ब्याज दर बीती गर्मियों में चार दशकों के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी।

अमेरिका के आवास बाजार को राहत मिलने की उम्मीद – फेडरल रिजर्व ने अनुमान जताया है कि अगले साल यानी 2024 में पूर्वानुमानों से भी ज्यादा ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। यह कटौती तीन तिमाही अंक तक हो सकती है। इससे उच्च बंधक दरों के चलते कमजोर मांग का सामना कर रहे अमेरिका के आवास बाजार को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। फेडरल रिजर्व का कहना है कि महंगाई पिछले साल के मुकाबले कम हुई है लेकिन यह अभी भी उच्च स्तर पर है। फेडरल रिजर्व की मॉनेटरी पॉलिसी निर्धारित करने वाले अधिकारियों का पैनल द फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने ब्याज दरों को 5.25-5.50 के बीच रखा है।

फैसले के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में देखा गया उछाल – फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बढ़ोतरी ना करने के फैसले के बाद अमेरिकी स्टॉक मार्केट के प्रमुख इंडेक्स डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज में 200 अंकों का उछाल देखा गया। अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने 2024 में अपना महंगाई का पूर्वानुमान भी घटाकर 2.6 फीसदी से 2.4 फीसदी कर दिया है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने स्वीकार किया कि महंगाई कम करने के केंद्रीय बैंक के प्रयासों का असर दिखना शुरू हो गया है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि अभी लंबा रास्ता तय करना है। उम्मीद जताई जा रही है कि फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती का दौर अगले साल जून में शुरू हो सकता है और 0.25 प्रतिशत की कटौती तीन बार करके कुल 0.75 प्रतिशत की कटौती की जा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

आईपीओ से कंपनियों को बंपर फायदा, एसेंट माइक्रोसेल का लक्ष्य सिर्फ 78 करोड़ लेकिन मिले 18,900 करोड़

नई दिल्ली । मुख्य प्लेटफॉर्म पर आईपीओ लाकर रिकॉर्ड बना रहीं कंपनियों की तरह ही छोटी और मझोली कंपनियां (एसएमई) भी रिकॉर्ड बना रही हैं। पहली बार किसी एसएमई कंपनी के आईपीओ को रिकॉर्ड 18,900 करोड़ रुपये के लिए आवेदन मिला है। जबकि कंपनी को केवल 78 करोड़ रुपये जुटाने थे। बंद हुए एसेंट माइक्रोसेल के इश्यू को 362 गुना का सब्सक्रिप्शन मिला है। एसेंट माइक्रोसेल का शेयर ग्रे मार्केट में 300 रुपये से ज्यादा भाव पर कारोबार कर रहा है। आईपीओ में मूल्य 140 रुपये था। एसेंट माइक्रोसेल से पहले बेसिलिक फ्लाई स्टूडियो को 14,000 करोड़ रुपये के लिए आवेदन मिला था। इसमें 8,197 करोड़ रुपये तो खुदरा निवेशकों के थे। इससे पहले ओरियाना पावर को 60 करोड़ के एवज में 7,000 करोड़ रुपये का आवेदन मिला था। इसका शेयर 118 रुपये की तुलना में 302 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ था। कृष्का स्ट्रैपिंग को 4,391 करोड़ रुपये के लिए आवेदन मिले थे। इस महीने 8 इश्यू खुले हैं। इस साल अब तक कुल 169 आईपीओ आए हैं। इसमें से 121 ने लिस्टिंग पर फायदा दिया है। इन्होंने रिकॉर्ड 4,000 करोड़ से ज्यादा जुटाए हैं। 2022 में 109 कंपनियों ने 1,980 करोड़, 2021 में 59 कंपनियों ने 787 करोड़, 2020 में 27 कंपनियों ने 168 करोड़ जुटाए थे। काहां पैकेजिंग का इश्यू सबसे ज्यादा 730 गुना इस साल भरा था। नेट अवेन्यू 511 गुना, मैत्रेय मेडिकेयर 446 गुना भरा था। मधुसूदन मसाला को 444 गुना, एनर्लॉन टेक को 428 गुना और दपिक केटेक्स के इश्यू को 403 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

एशियन डेवलपमेंट बैंक ने भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत किया, 2024-25 के लिए जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली। एशियन डेवलपमेंट बैंक ने चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 के लिए भारत की अर्थव्यवस्था की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। एडीबी ने सितंबर में 6.3 प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि उम्मीद से ज्यादा 7.6 प्रतिशत रही, जिसके चलते बैंक को अपने अनुमान में संशोधन करना पड़ा। बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मैन्युफैक्चरिंग, खनन, निर्माण और यूटिलिटी में दोहरे अंक में तेजी रही है। हालांकि पूरे वित्त वर्ष में कृषि की विकास दर थोड़ा धीमी गति से बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, इंडस्ट्रियल सेक्टर का प्रदर्शन बहुत अच्छा है, इसलिए विकास दर में ऊपर की ओर संशोधन होगा। एडीबी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने विकास दर के पूर्वानुमान को 6.7 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। वित्त वर्ष 2023-24 में उपभोक्ता खर्च और निर्यात में धीमी वृद्धि के बावजूद सरकारी खर्च से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। एडीबी ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारतीय मुद्रास्फीति को 5.5 प्रतिशत के अपने पहले के पूर्वानुमान को बरकरार रखा है। एडीबी ने 2023 में चीन में विकास दर 5.2 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान लगाया है, जो सितंबर में 4.9 प्रतिशत के पिछले पूर्वानुमान से ज्यादा है।

दो रिटायर्ड सीआईएसएफ अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी, कोयले के अवैध खनन से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कोयला चोरी मामले की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल में सीआईएसएफ के दो सेवानिवृत्त अधिकारियों से जुड़ी संपत्तियों समेत कई स्थानों पर छापेमारी की। एजेंसी के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य की राजधानी कोलकाता के अलावा आसनसोल, दुर्गापुर, कुल्टी और मालदा समेत 12 स्थानों पर छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि सीआईएसएफ के इन दो सेवानिवृत्त अधिकारियों को कोयला चोरी घोटाले से आर्थिक रूप से फायदा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता कोलकाता के भवानीपुर और पश्चिम बर्धमान के दुर्गापुर में सीआईएसएफ के एक सेवानिवृत्त अधिकारी के घरों के अलावा मालदा में एक अन्य पूर्व कर्मी के आवास की तलाशी ले रहे हैं।

थोक महंगाई 8 महीने के उच्चतम स्तर पर

नवंबर में बढ़कर 0.26 प्रतिशत पर पहुंची वजह- खाने-पीने के सामानों के दाम बढ़ना

नई दिल्ली ।
खाने-पीने के सामानों के दामों में बढ़ोतरी के बीच नवंबर में भारत की थोक महंगाई दर बढ़कर 0.26 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इससे पहले अक्टूबर महीने में ये -0.52 प्रतिशत पर थी। 7 महीने बाद है जब थोक महंगाई शून्य के ऊपर रही है। खाद्य महंगाई 1.07 प्रतिशत से बढ़कर 4.69 प्रतिशत हो गई है।

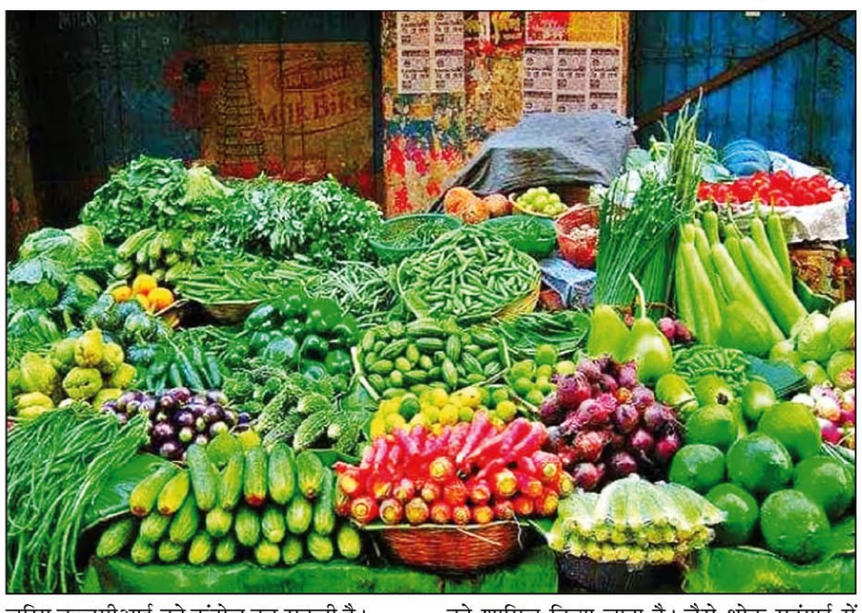

नवंबर में खाद्य महंगाई दर बढ़ी

खाद्य महंगाई दर अक्टूबर के मुकाबले 1.07 प्रतिशत से बढ़कर 4.69 प्रतिशत रही है।

रोजाना जरूरत के सामानों की महंगाई दर 1.82 प्रतिशत से बढ़कर 4.76 प्रतिशत रही है।

ईंधन और बिजली की थोक महंगाई दर -2.47 प्रतिशत से घटकर -4.61 रही है।

मेन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर -1.13 प्रतिशत से बढ़कर -0.64 रही है।

नवंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.55 प्रतिशत हुई

इससे पहले सरकार ने 12 दिसंबर को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए थे। इनके अनुसार भारत की रिटेल महंगाई तीन महीने की गिरावट के बाद नवंबर में बढ़कर 5.55 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसका कारण सब्जियों और फलों की ऊंची कीमतें हैं। अक्टूबर में रिटेल महंगाई 4.87 प्रतिशत रही थी। डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में प्याज की कीमतें महीने दर महीने 58 प्रतिशत बढ़ीं, जबकि टमाटर की कीमतें 35 प्रतिशत बढ़ीं। इसके अलावा आलू की कीमतों में भी नवंबर में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

डब्लूपीआई का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्लूपीआई को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्लूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

महंगाई कैसे मापी जाती है

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75 प्रतिशत, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02 प्रतिशत और फ्यूल एंड पावर 14.23 प्रतिशत होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86 प्रतिशत, हाउसिंग की 10.07 प्रतिशत और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

भारत में डब्लूपीआई तो अमेरिका में पीपीआई से मापते हैं महंगाई

डब्लूपीआई का इस्तेमाल भारत में महंगाई को मापने के लिए किया जाता है। डब्लूपीआई में बदलाव से फिस्कल और मॉनेटरी पॉलिसी चेंज बहुत ज्यादा प्रभावित होते हैं। वहीं अमेरिका में प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स का इस्तेमाल महंगाई को मापने के लिए किया जाता है।

ओपीएस से राज्यों पर बढ़ेगा दबाव, बाधित होगी विकास कार्य की क्षमता', आरबीआई ने की टिप्पणी

मुंबई ।
आरबीआई ने आगाह करते हुए कहा है कि महंगाई भत्ते (डीए) से जुड़ी पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू करने से राज्यों के खजाने पर काफी दबाव बढ़ेगा। इससे उनकी विकास कार्यों पर खर्च करने की क्षमता प्रभावित होगी। केंद्रीय बैंक ने 'राज्यों के वित्त : 2023-24 के बजट का एक अध्ययन' विषय पर जारी रिपोर्ट में कहा, समाज एवं उपभोक्ता के लिहाज से अहितकर वस्तुओं व सेवाओं, सब्सिडी और हस्तांतरण व गारंटी पर प्रावधान से राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति गंभीर स्थिति में पहुंच जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ राज्यों में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने और कुछ अन्य राज्यों के भी इसी दिशा में आगे बढ़ने से आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिहाज से खर्च करने की प्रदेश सरकारों की क्षमता सीमित हो जाएगी। पुरानी पेंशन व्यवस्था को अपनाना राज्यों के लिएपीछे जाने की दिशा में बड़ा कदम होगा। यह पिछले सुधारों के लाभ को कम करेगा व आने वाली पीढ़ियों के हितों से समझौता करेगा। अगर सभी राज्य ओपीएस व्यवस्था को अपनाते हैं तो कुल राजकोषीय बोझ राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) पर होने वाले खर्च का 4.5 गुना तक अधिक हो सकता है। अतिरिक्त बोझ 2060 तक सालाना जीडीपी के 0.9 फीसदी तक पहुंच जाएगा। समाज के नजरिये से अहितकर वस्तुओं-सेवाओं, सब्सिडी, हस्तांतरण और गारंटी के लिए अतिरिक्त प्रावधान राज्यों की वित्तीय स्थिति को गंभीर बना देगा। इससे दो वर्षों में हासिल समग्र राजकोषीय मजबूती बाधित होगी। इससे पुरानी पेंशन व्यवस्था के अंतर्गत आने वाले सेवानिवृत्त लोगों के लिए पेंशन का बोझ बढ़ेगा। इन लोगों का अंतिम बैच 2040 के दशक की शुरुआत में सेवानिवृत्त हो सकता है। इसलिए, वे 2060 के दशक तक ओपीएस के तहत पेंशन प्राप्त करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ राज्यों ने 2023-24 में राजकोषीय घाटे को जीएसडीपी (राज्य सकल घरेलू उत्पाद) के चार फीसदी से अधिक करने का बजट रखा है, जबकि अखिल भारतीय औसत 3.1 फीसदी है। उनका कर्ज स्तर भी जीएसडीपी के 35 फीसदी से अधिक है। अखिल भारतीय औसत 27.6 प्रतिशत है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब व हिमाचल प्रदेश ने अपने कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने के फैसले की जानकारी दी है।

सोने और चांदी की बढ़ी चमक, सोने का वायदा भाव 62 हजार, चांदी 2,500 रुपए

नई दिल्ली ।
फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को यथावत रखने के फैसले से वैश्विक बाजार में आई तेजी का असर घरेलू बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव पर भी दिखा। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव ने इस तेजी के साथ आज 75 हजार रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव 62 हजार रुपये पार कर गए।

वायदा कारोबार के शुरूआती कारोबार के दौरान सोने के वायदा भाव में एक हजार और चांदी के वायदा भाव में 2,500 रुपये से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 192 रुपये की तेजी के साथ 61,391 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 1,202 रुपये की तेजी के साथ 62,401 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 418 रुपये की तेजी के साथ 71,950 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 2,698 रुपये की तेजी के साथ 74,230 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,043.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,997.30 डॉलर था। फिलहाल यह 48.30 डॉलर की तेजी के साथ 2,045.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.09 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 22.94 डॉलर था। फिलहाल यह 1.17 डॉलर की तेजी के साथ 24.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

12 हजार करोड़ से अधिक की कमाई बॉलीबुड के लिए लकी रहा यह साल

नई दिल्ली ।
फिल्मी सितारों सहित समूचे बॉलीबुड के लिए यह साल बेहद लकी रहा है। इंडस्ट्री ने इस साल 12 हजार करोड़ से अधिक की कमाई की है। इसके अलावा कई अभिनेताओं की लोकप्रियता में चार चांद लगे हैं। जिनमें रणवीर कपूर और शाहरुख खान को गिना जा सकता है। इस साल के अंत तक बॉक्स ऑफिस की कमाई में 10 फीसदी से और अधिक की बढ़ोतरी हो सकती है, यानी संभव है कि कमाई में 1,100 करोड़ रुपये और जुड़ जाएं। उद्योग के अनुमान के मुताबिक वर्ष 2022 में बॉक्स ऑफिस की कमाई महामारी से पहले के स्तर से थोड़ी कम करीब 10,600 करोड़ रुपये थी। पूरे साल सिनेमाघरों में जाने वाले दर्शकों का औसत फीसदी 2019 के मुकाबले 5 फीसदी से कम रहा, मगर उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि अगले साल यह समान स्तर पर पहुंच सकता है। कमाई में हुई बढ़ोतरी की दो वजहें थीं। फिल्म निर्माताओं ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर महामारी से पहले की कमाई का 2019 का आंकड़ा पार कर लिया और 11,000 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कमाई की। इस वर्ष घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 10 फिल्मों ने ही कुल 3,300 करोड़ रुपये की कमाई की जो पिछले साल की 2,400 करोड़ रुपये की कमाई से कहीं ज्यादा है। मल्टीप्लेक्स के टिकट की कीमतों में औसतन 7.5 फीसदी और 8 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई जिससे निर्माताओं और थियेटर मालिकों को कमाई करने के

ज्यादा मौके मिले। पहली बार चार फिल्मों ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये से अधिक कमाई की जो बॉलीवुड के लिए रिकॉर्ड है। इनमें रणवीर कपूर अभिनीत फिल्म 'एनिमल' जल्द ही इस आंकड़े को छू सकती है (10 दिसंबर तक इस फिल्म ने 432 करोड़ रुपये की कमाई की थी)। इसके अलावा शाहरुख खान की दो ब्लॉकबस्टर फिल्में 'पठान' व 'जवान' के अलावा देओल बंधुओं की फिल्म 'गदर 2' ने शानदार कमाई की। अगर 2022 के आखिर में आई 'अवतार' फिल्म के आंकड़े भी जोड़ लिए जाएं जिसने 2023 में भी कमाई की थी तब इसमें 390 करोड़ रुपये और जुड़ जाएंगे। इस तरह बॉक्स ऑफिस कमाई में इन 5 फिल्मों का योगदान करीब 2,600 करोड़ रुपये होगा। वर्ष 2022 में केवल 'केजीएफ चैप्टर 2' ही 500 करोड़ रुपये की कमाई के करीब पहुंचती हुई दिखी जिसने 434 करोड़ रुपये की कमाई की।

एफटीए पर बातचीत में हो रही प्रगति

कई मुद्दे हल हुए, भारतीय बाजार पर ये बोले नार्वे के उद्योग मंत्री

नई दिल्ली ।
भारत के साथ काम करने पर नॉर्वे के व्यापार और उद्योग मंत्री जान क्रिश्चियन वेस्ट्रे ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वेस्ट्रे ने कहा कि कहा भारत में कई चीजें हैं, यहां माल के लिए बाजार पहुंच है, यह सेवाओं के लिए बाजार पहुंच है। हम इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि हम निवेश में सुधार और वृद्धि कैसे कर सकते हैं। वेस्ट्रे ने कहा कि हमने पहले ही भारतीय अर्थव्यवस्था में 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है। हमने स्थिरता पर चर्चा की है और हम अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नए लागत-कुशल समाधानों को विकसित करने, उपयोग करने और कार्यान्वित करने के बारे में बात कर रहे हैं।

भारत के पास एक बहुत ही साहसिक और महान योजना है जो कहती है कि 2030 तक 50 प्रतिशत बिजली नवीकरणीय स्रोतों से आनी चाहिए। हम पहले से ही सौर हाइड्रोजन, कार्बन

कैप्चर और भंडारण बैटरी और जल विद्युत ज्ञान के साथ एक अक्षय देश हैं। इसलिए हम इस बात पर भी चर्चा कर रहे हैं कि हम इस तकनीक का उपयोग कैसे कर सकते हैं, भारत में अपने दोस्तों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत भी भारत के लक्ष्यों तक पहुंच सके। तो यह व्यापार से कहीं अधिक है। यह एक रणनीतिक साझेदारी के बारे में है और हम कैसे आगे बढ़ सकते हैं। नॉर्वे के व्यापार और उद्योग मंत्री जान क्रिश्चियन वेस्ट्रे ने कहा, हां, हम नॉर्वे और भारत सहित यूरोपीय मुक्त व्यापार भागीदारों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए यहां हैं। यह देखने के लिए कि हम रोजगार सृजन, मूल्य सृजन, निवेश के लिए रूपरेखा स्थितियों में सुधार कैसे कर सकते हैं, हम हरित और डिजिटल संक्रमण में तेजी लाने के मामले में एक साथ कैसे काम कर सकते हैं, इस पर बातचीत हो रही है। हम अनुसंधान और विकास, नवाचार, प्रौद्योगिकी, समृद्धि पर कैसे सहयोग कर सकते हैं यह भी बातचीत का विषय है।

उन्होंने कहा हम भारत के साथ पिछले 15 वर्षों से एक संभावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। हमने इस साल काफी प्रयास किए हैं। इस साल भारत में यह मेरा तीसरा मौका है और मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि इस मामले में प्रगति कर रहे हैं। हमने कई मुद्दों को हल किया है। कुछ शेष मुद्दे हैं, लेकिन मैं अब भी आशावादी हूं कि हमारे लिए इस तरह के समझौते और ऐसी साझेदारी में प्रवेश करने के अवसर हो सकते हैं, जो भारत और उन देशों दोनों के लिए बहुत फायदेमंद होगा जिनका हम प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

फैशन-टेक प्लेटफॉर्म लेलाह अथिया शेट्टी के साथ लांच करेगी वीडियो कैम्पेन

मुंबई । ऑनलाइन शॉपिंग के लिए मशहूर अग्रणी टेक प्लेटफॉर्म लेलाह ने प्रतिभाशाली बॉलीवुड अभिनेत्री और फैशन आइकन अथिया शेट्टी के साथ अपने पहले वीडियो कैम्पेन के लॉन्च की घोषणा की है। यह नया अभियान अपने यूजरों के लिए एक व्यापक और सुविधाजनक शॉपिंग जर्नी प्रदान करने के लिए लेलाह की कुशलता को दिखाता है। बताया जा रहा है कि जीवंत लेलाह थीम गीत पर आधारित, वीडियो में अथिया शेट्टी को उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर लगातार टिप्पणियों के बीच दिखाया गया है, जो सभी उनके विशेष परिधानों के बारे में विशिष्ट जानकारी मांग रहे हैं। इन सबके बीच, अथिया दर्शकों का ध्यान लेलाह ऐप की ओर आकर्षित करती है। बता दें कि अथिया लेलाह ऐप की तकनीक पर जोर देती है, जो उपभोक्ताओं को एक क्लिक के साथ निर्माता की सामग्री से टैग किए गए उत्पादों को सीधे खरीदने के लिए सशक्त बनाती है। यह कई अकाउंट और प्लेटफार्मों पर मैन्युअल रूप से लिंक खोजने की आवश्यकता को समाप्त करता है, जिससे खरीदारी का अनुभव सहजता से सुव्यवस्थित हो जाता है। अभियान के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, लेलाह की संस्थापक आशना रुइया ने कहा कि हम अथिया शेट्टी के साथ अपना पहला ब्रांड अभियान शुरू करने के लिए उत्साहित हैं, जो फैशन को पूरी तरह से अपनाती हैं और उसका जश्न मनाती है। हमारा अभियान उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन शॉपिंग अनुभव को बदलने की लेलाह की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य अपनी पेशकशों के माध्यम से अपने दर्शकों के साथ निर्बाध रूप से जुड़ना, प्रामाणिक निर्माता अनुशंसाओं और सहज खरीदारी के बीच अंतर को पाटना, खोज से अंतिम खरीदारी तक एक सहज यात्रा बनाना है। इस दौरान अथिया शेट्टी ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा कि मैं लेलाह के नवीनतम अभियान का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। लेलाह वास्तव में एक गेम-चेंजर है, जो आपके और आपके फेवरेट क्रिएटर्स के बीच की दूरी को पाटता है और उनकी सिफारिशों से उत्पाद लिंक खोजने की परेशानी को खत्म करता है।

जयपुर पिंक पैंथर्स पर भारी पड़े बेंगलुरु बुल्स, तमिल थलाइवाज ने चखाया तेलगु टाइटंस को हार का स्वाद

नई दिल्ली।

प्रो कबड्डी लीग 2023 में दो बड़े मैच खेले गए। रोमांच से भरपूर पहले मुकाबले में बेंगलुरु बुल्स ने डिफेंडिंग चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स को 32-30 से हार का स्वाद चखाया। वहीं, दूसरे मुकाबले में तमिल थलाइवाज तेलगु टाइटंस पर भारी पड़े और टीम ने 38-36 से बाजी मारी।

बेंगलुरु बुल्स ने मारी बाजी

बेंगलुरु बुल्स ने मैच का आगाज धमाकेदार अंदाज में किया और शुरुआत में लीड हासिल की। हालांकि, जल्द ही जयपुर पिंक पैंथर्स ने मैच में जोरदार पलटवार करते हुए 10-6 की बढ़त हासिल कर ली। बेंगलुरु ने इसके बाद रेड और डिफेंस दोनों में ही दमदार खेल दिखाया और पहले हाफ के खत्म होने तक जयपुर पर 15-14 की बढ़त बना ली।

दूसरे हाफ में जयपुर ने मैच में फिर से वापसी की और बेंगलुरु बुल्स को ऑलआउट करते हुए स्कोर को 21-21 से बराबर कर दिया। हालांकि, मैच के अंतिम पलों में बुल्स की ओर से रेड में विकास कंडोला ने टीम को अहम दो पॉइंट दिलाए।

जयपुर की नैया को पार लगाने की जिम्मेदारी आखिरी रेड में वी अजित के कंधों पर थी, लेकिन वह बेंगलुरु के डिफेंस को नहीं भेद सके। विकास कंडोला ने 8 और भरत ने 9 प्वाइंट्स हासिल किए। वी अजित ने 9 प्वाइंट्स आर्जित किए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। बेंगलुरु की यह छठे मैच में दूसरी जीत है,जबकि जयपुर को दूसरी हार का मुंह देखना पड़ा है।

तेलगु पर भारी पड़े तमिल थलाइवाज

तमिल थलाइवाज ने एक और रोमांचक मैच में तेलगु टाइटंस को 38-36 से मात दी। तमिल की ओर से नरेंद्र ने रेड में 10 प्वाइंट्स आर्जित किए। वहीं, डिफेंस में साहिल गुलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 7 प्वाइंट्स अपने नाम किए। पवन सहरावत और रॉबिन चौधरी ने 7-7 प्वाइंट्स निकाले, पर वह तेलगु की टीम को जीत नहीं दिला सके। तमिल ने तीसरे मैच में यह दूसरी जीत दर्ज की है, तो तेलगु को लगातार चौथी हार का मुंह देखा पड़ा है।

न्यूज ब्रीफ

मैं इंडियन मुस्लिम हूं, जहां इबादत करनी होगी करूंगा : मोहम्मद शमी

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि मैं इंडियन मुस्लिम हूं, जहां इबादत करनी होगी करूंगा।

दरअसल एक टीवी चैनल के प्रोग्राम में शमी ने अपने मैच के दौरान एक वीडियो वायरल होने के जवाब में ऐसा कहा। गौरतलब है कि आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी जहां शुरुआती 4 मैचों में खेल नहीं पाए वहीं जब उन्हें मौका मिला तो उन्होंने टूर्नामेंट को अपने नाम कर लिया और ताबड़तोड़ गेंदबाजी कर शमी ने कई रिकार्ड अपने नाम बनाए। 7 मुकाबलों में शमी ने 5.26 की औसत से सबसे ज्यादा 24 विकेट लिए थे। इसी दौरान श्रीलंका के खिलाफ एक मुकाबले में शमी ने बेहतरीन गेंदबाजी की और उस मैच का एक वीडियो काफी वायरल हुआ, जिसमें शमी 5 विकेट लेने के बाद जमीन पर झुके थे। इस पर पाकिस्तानी लोगों ने सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया था और कहा था कि शमी इंडियन मुस्लिम है, सजदा करना चाहता है, लेकिन एकदम डर गया और इंडिया में घबरा कर ये नहीं कर पाया। इस पर अब शमी ने खुलकर अपनी बात रखी। शमी ने कहा कि मैं गर्व से कहता हूं कि मुस्लिम हूं, जहां इबादत करनी होगी करूंगा, कौन रोकेगा। इतना ही नहीं शमी ने पाकिस्तानियों को चुगलखोर तक कह दिया है। शमी ने कहा कि मैं इंडियन हूं तो गर्व से कहता हूं कि हां मैं इंडियन हूं, इसमें क्या दिक्कत है। अगर मुझे कोई दिक्कत होती तो भाई मुझे यहां इंडिया में रहना ही नहीं चाहिए था। अगर मुझे मेरा सजदा करने के लिए किसी की परमिशन की जरूरत पड़ती तो मैं रहूंगा ही क्यों यहां पर। वीडियो पर शमी ने कहा, वो छठा ओवर था और 3 तो आउट हो ही चुके थे। यहां से मेरे दिमाग में था कि अगले 3-4 ओवर में 5 विकेट लेकर आउं। तब मैं फुल एफर्ट 200 प्रतिशत से डाल रहा था और मैं थक चुका था। जब मैंने 5 विकेट लिए तो घुटनों पर बैठा था। लोगों ने उसे शेयर कर के उसका मजाक बना डाला।

नोजोमी ओकुहारा ने भारत में अपने खराब अनुभव की दास्तां सुनाई, बताया कैब ड्राइवर ने कैसे लगाया चूना

नई दिल्ली । बैडमिंटन में पूर्व विश्व चैंपियन और ओलंपिक पदक विजेता नोजोमी ओकुहारा ने हाल ही में भारत यात्रा का अपना खराब अनुभव साझा किया जहां दिल्ली के एक कैब ड्राइवर ने उन्हें चूना लगाया और ओडिशा के कटक में होटल में उन्हें कमरे के लिए चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा। 28 वर्ष की ओकुहारा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दिल्ली हवाई हड्डे पर एक कैब ड्राइवर ने उन्हें परेशान किया और चूना लगाया। ओडिशा ओपन के लिए कटक पहुंचने पर उन्हें आधिकारिक परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई थी। होटल में जाने के लिए उन्हें चार घंटे इंतजार करना पड़ा और अभ्यास सत्र के लिए सुबह आठ बजे भी उन्हें बस या कार नहीं मिली थी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव संजय मिश्रा ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जापान की खिलाड़ी ने लॉजिस्टिक का ब्यौरा (स्थानीय यात्रा और होटल) देने वाला कोई ईमेल नहीं भेजा वरना ऐसी नौबत नहीं आती। ओकुहारा ने लखनऊ में सैयद मोदी सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। वह हांगकांग के रास्ते दिल्ली आईं।

रिंकू ने कहा, सूर्या भाई ने समझाया अपने कूल अंदाज में खेलो

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के नए फिनिशर बने रिंकू सिंह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टी20 में धमाकेदार अर्धशतक जड़ा। रिंकू के टी20 इंटरनेशनल करियर का यह पहला अर्धशतक है। हालांकि रिंकू की फिफ्टी टीम के काम नहीं आई। भारतीय टीम को इस मैच में 5 विकेट से हार मिली। रिंकू ने कहा कि जब वह क्रीज पर बैटिंग के लिए आए, उस समय टीम मुश्किल में थी। लेकिन कप्तान सूर्यकुमार ने उनकी बल्लेबाजी को आसान बना दिया। सूर्या ने रिंकू से कहा कि जैसे खेलते आए हो वैसे ही खेलो। रिंकू ने यह बात बीसीसीआई की ओर से शेयर की गई वीडियो में कही है। रिंकू पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। तब टीम 55 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद रिंकू ने 39 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 68 रन की पारी खेली। बीसीसीआई ने एक वीडियो अपलोड किया है जिसमें रिंकू यह बता रहे हैं कि कैसे जब वह क्रीज पर बैटिंग के लिए आए तब कप्तान सूर्या ने उन्हें कूल रहने की सलाह दी जो कारगर साबित हुई।

एसए टी20 ने दी द.अफ्रीका क्रिकेट को नई जिंदगी : ग्रीम स्मिथ

नई दिल्ली।

एक शानदार ओपनिंग सीजन के बाद दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग (एसए20) 10 जनवरी, 2024 को शुरू होने वाले अपने दूसरे सीज़न के लिए तैयारियों में जुटी है एसए टी20 लीग जिसे 2023 में लॉन्च किया गया था, उसने पहले ही दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।

2023 में लीग का उद्घाटन संस्करण एक शानदार सफलता थी, जिसमें क्रिकेट फैंस ने 32 दिनों में 33 से अधिक मैच का मजा लूटा. लीग में क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल थे. जिनमें फाफ डु प्लेसिस, जोफ्रा आर्चर, जोस बटलर, राशिद खान और कई अन्य बड़े नाम मौजूद हैं। ग्रीम स्मिथ, लीग कमिश्नर एसए20 और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हमारा पहला सीजन युवा स्थानीय प्रतिभा और वैश्विक क्रिकेट सितारों के शानदार मिश्रण का प्रदर्शन करते हुए सभी उम्मीदों से बढ़कर रहा. स्टेडियमों में ऊर्जा स्पष्ट थी और खेले गए क्रिकेट की गुणवत्ता वास्तव में यादगार थी. दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट की भावना को बढ़ावा मिला है।

लेकिन, ग्रीम स्मिथ पहले से ही भविष्य पर नजरें गड़ाए हुए हैं. उन्होंने कहा, हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है. एसए20 को दक्षिण अफ्रीकी प्रतिभाओं के लिए एक केंद्र बनाना और दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है. हमारे पास सभी चीजें मौजूद हैं. दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, एक भावुक प्रशंसक आधार और विश्व स्तर पर मजबूत प्रसारण भागीदार! दूसरे सीज़न में हम कई नई प्रतिभाओं के साथ पहले से ही स्थापित उच्च मानकों को पार करते हुए दिखाई देंगे, जो निश्चित रूप से आने वाले कई वर्षों तक दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को रोशन करेंगे। एसए20 भारत के बाहर पहली टी20 लीग है जिसमें सभी छह स्थानीय फ्रेंचाइजी के आईपीएल मालिक हैं. फ्रेंचाइजियों द्वारा लाए गए अनुभव और विशेषज्ञता से लीग को और मजबूत करने और वैश्विक मंच पर इसकी प्रोफ़ाइल बढ़ाने की उम्मीद है। ग्रीम स्मिथ ने कहा, आईपीएल फ्रेंचाइजी की भागीदारी एसए20 के लिए शानदार है. ये फ्रेंचाइजी दुनिया में सबसे सफल में से एक है. इसके अलावा, ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिन्होंने दुनिया भर की

अन्य प्रमुख लीगों में इन फ्रेंचाइजी के लिए खेला है और वे युवा दक्षिण अफ्रीकी प्रतिभाओं के लिए जो संस्कृति और टीम स्ट्रेंथ लाते हैं वह एक बड़ा फायदा है. एसए20 का आगामी सीज़न अपने ऊर्जावान मैचों, शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों और गतिशील माहौल के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है।

दक्षिण अफ्रीका में सुपरस्पोर्ट, भारत में वायाकॉम 18 और यूके में स्काई स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण होगा

यह टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका के छह प्रमुख स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जिससे प्रशंसकों का अनुभव बेहतर होगा. विशेष रूप से सीज़न 2 में आर50 मिलियन की बढ़ी हुई पुरस्कार राशि का दावा किया गया है, जिससे प्रतियोगिता में उत्साह की एक अतिरिक्त परत जुड़ गई है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा और स्थानीय क्रिकेटरों के मिश्रण के साथ, एसए20 न केवल मनोरंजन के लिए बल्कि दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए भी तैयार है।

लीग प्रोटियाज़ के लिए अगली पीढ़ी के क्रिकेट सितारों की खोज और उन्हें निखारने के मंच के रूप में प्रतिभाओं को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. लीग के उद्घाटन सत्र में उभरे कुछ खिलाड़ी पहले ही प्रोटियाज़ के लिए खेल चुके हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में पाकिस्तान की कप्तान होंगी फातिमा सना

क्राइस्टचर्च।

नियमित कप्तान निदा डार के हेगले ओवल में होने वाले मैच में खेलने से बाहर होने के बाद तेज गेंदबाज फातिमा सना को न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान के दूसरे वनडे के लिए कप्तान बनाया गया है। क्वीन्सटाउन के जॉन डेविस ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में पारी के 44वें ओवर में निदा को उनकी ही गेंद पर चोट लग गई थी। बाद में प्रभाव के कारण उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया, फातिमा स्टैंड-इन कप्तान थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि डॉक्टर की जांच के बाद निदा में कनकशन के लक्षण पाए गए और उन्हें अगले दो दिनों तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी गई है। पीसीबी ने कहा कि तीसरे वनडे के लिए निदा की उपलब्धता उचित समय पर निर्धारित की जाएगी। फातिमा अब वनडे प्रारूप में पाकिस्तान महिला टीम की 10वीं कप्तान बन जाएंगी। वह खुद चोट के कारण हाल ही में बांग्लादेश श्रृंखला में नहीं खेल पाईं और वापसी करते हुए न्यूजीलैंड पर पाकिस्तान की 2-1 टी20 सीरीज जीत में प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार अर्जित किया। उस श्रृंखला में फातिमा ने श्रृंखला में 5.60 की इकॉनमी रेट से छह विकेट हासिल किए और इस महीने की शुरुआत में डुनेडिन में ओटागो ओवल विश्वविद्यालय में पहले टी20 में 3-18 के आंकड़े के लिए उन्हें मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। फातिमा ने कहा, वनडे मैचों में पाकिस्तान महिला टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है। हालांकि, निदा डार की चोट के कारण परिस्थितियां बदल गई हैं। वह एक प्रेरणा रही हैं और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। न्यूजीलैंड के खिलाफ हमने ऐतिहासिक टी20 सीरीज जीती थी और मुझे पता है कि खिलाड़ी वनडे सीरीज में भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं।

जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने कमबैक प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड जीता, पेपरस्टोन एटीपी रैंकिंग में 21वें नंबर पर पहुचें

लंदन।

पेपरस्टोन एटीपी रैंकिंग में नंबर 167 से करियर के सर्वोच्च नंबर 21 पर पहुंचने के बाद जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 2023 एटीपी अवार्ड्स में कमबैक प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया. स्ट्रफ़ को तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ कमबैक श्रेणी में नामांकित किया गया था, जिन्होंने टूर पर एक प्रमुख ताकत के रूप में खुद को फिर से स्थापित करने के लिए चोट पर काबू पा लिया है।

स्ट्रफ़ ने कहा, मैं 2023 के लिए कमबैक प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने के लिए बहुत खुश और उत्साहित हूं. मुझे साशा, डोमी और गेल के साथ नामांकित किया गया था, जो मेरे लिए पुरस्कार के साथ-साथ अपने सीज़न के लिए भी बहुत योग्य थे, इसलिए इसके लिए बधाई जर्मन ने अपने वीडियो संदेश में अपनी टीम और परिवार को भी धन्यवाद दिया, आप लोगों के बिना यह संभव नहीं होता।

स्ट्रफ़ ने सीज़न की शुरुआत शीर्ष 150 से बाहर की लेकिन एटीपी मास्टर्स 1000 के उत्कृष्ट परिणामों के

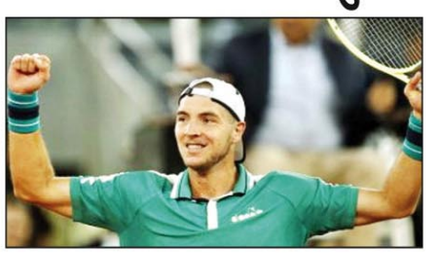

बाद वह आगे बढ़ गया. मैड्रिड ओपन में मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचने वाला इतिहास का पहला भाग्यशाली हारने वाला खिलाड़ी बनने से पहले वह मोंटे-कार्लो में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे इसके बाद जून में स्टटगार्ट में खिताबी मुकाबले में भाग लेना पड़ा, कूल्हे की चोट के कारण 33 वर्षीय खिलाड़ी को सीज़न के तीन महीने नहीं खेलने पड़े, स्ट्रफ ने सात सप्ताह तक रैकेट नहीं पकड़ा था।

उन्होंने सितंबर में झुहाई में विजयी वापसी की, हालांकि नवंबर में सोफिया में सीज़न के अपने तीसरे टूर-स्तरीय सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले उन्होंने अपने पहले मैच में क्रिस्टियन गारिन को तीन सेटों में हरा दिया। उन्होंने साल का अंत 25वें नंबर पर किया। उन्होंने कहा, मैं इसकी उम्मीद नहीं कर सकता था, टॉप 150 के बाहर से इतनी तेजी से टॉप 30 तक पहुंच जाऊंगा। यह पागलपन था कि यह कितनी तेजी से चला।

एआईएफएफ ने क्लबों को कलिंगा सुपर कप में छह विदेशी खिलाड़ियों को खेलाने की अनुमति दी

नई दिल्ली।

सुपर कप के विजेता को एएफसी 2023-24 सीज़न के एसीएल 2 प्रारंभिक चरण में खेलने के लिए, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) भाग लेने वाले क्लबों को मैदान पर अधिक विदेशी खिलाड़ियों को खेलाने की अनुमति देगा।

एआईएफएफ ने ओडिशा में 9-28 जनवरी, 2024 तक खेले जाने वाले आगामी कलिंगा सुपर कप में भाग लेने वाले क्लबों को मैच के दिन टीम में छह विदेशी भाग लेने वाले खिलाड़ियों को पंजीकृत करने की अनुमति देने का फैसला किया।

भाग लेने वाली टीमों को मैदान पर अधिकतम छह विदेशी खिलाड़ियों के साथ अपने मैच शुरू करने की भी अनुमति होगी।

एआईएफएफ ने एक बयान में बताया कि यदि खिलाड़ी चयन सूची में पांच से अधिक विदेशी भाग लेने वाले खिलाड़ियों का चयन किया जाता है, तो इनमें से कम से कम एक खिलाड़ी के पास एशियाई फुटबॉल परिसंघ के सदस्य संघ की राष्ट्रीयता होनी चाहिए ।

यह बदलाव कलिंगा सुपर कप के नियमों को कॉन्टिनेंटल इवेंट के नियमों के अनुरूप बनाने के लिए किया गया है।

2023-24 सीज़न में एएफसी क्लब प्रतियोगिताओं के नियमों के अनुसार, प्रत्येक भाग लेने वाला क्लब छह विदेशी खिलाड़ियों का चयन कर सकता है, जिनमें से एक ऐसे देश से होगा जो एएफसी का सदस्य संघ है।

कलिंगा सुपर कप ओडिशा में दो स्थानों पर होने वाला है और 9 जनवरी, 2024 को शुरू होगा। इंडियन सुपर लीग और आई-लीग

दोनों के क्लबों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसमें पूर्व को सीधे प्रवेश मिलेगा। इस बीच, आई-लीग क्लबों को कलिंगा सुपर कप ग्रुप चरण में पहुंचने के लिए क्वालीफायर खेलना होगा, जहां 16 टीमों को चार-चार के चार समूहों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक समूह के विजेता सेमीफाइनल के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे, जिसके बाद 28 जनवरी, 2024 को फाइनल खेला जाएगा। टूर्नामेंट का ड्रा 18 दिसंबर को नई दिल्ली के फुटबॉल हाउस में निकाला जाएगा।

रोहित-विराट से नहीं बल्कि सूर्यकुमार से है साउथ अफ्रीका को डर

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया इन दिनों साउथ अफ्रीका पर भारी पड़ रही है। दरअसल साउथ अफ्रीका को रोहित या विराट से नहीं बल्कि सूर्यकुमार यादव से डर है। इस समय टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेल रही है। भारतीय टीम के अलावा साउथ अफ्रीका ही थी जिसने वर्ल्ड कप में विरोधी टीमों को पस्त कर दिया। लेकिन भारत के खिलाफ साउथ अफ्रीका की भी हालत पतली नजर आई। हालांकि, उस दौरान रोहित-कोहली भी टीम इंडिया का हिस्सा थे। लेकिन प्रोटियाज टीम का सबसे बड़ा दुश्मन रोहित या कोहली नहीं सूर्यकुमार यादव हैं। उन्होंने ऐसा कारनामा कर दिया है जो अभी तक टी20 में इस टीम के खिलाफ कोई भी बैटर नहीं कर सका। गौरतलब है कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। वहीं, दूसरे मुकाबले में भी बारिश ने टीम इंडिया का खेल बिगाड़ दिया। हालांकि, जब तक बारिश नहीं हुई टीम इंडिया गेम में बनी हुई थी। भले ही भारत ने महज 6 रन के स्कोर पर अपने दो बल्लेबाजों को खो दिया था। लेकिन सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह

की फिफ्टी की बदौलत भारतीय टीम ने स्कोरबोर्ड पर 180 रन ले लिए थे। यदि साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्काई के आंकड़े देखें तो टी20 में इस टीम के खिलाफ वे सबसे घातक नजर आते हैं। उन्होंने महज 5 पारियों में इस टीम के खिलाफ 7 फिफ्टी ठोक दी हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा अर्धशतक ठोकने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर भी शामिल हैं। उन्होंने भी इस टीम के खिलाफ 4 हाफ सेंचुरी ठोकी हैं। लेकिन वॉर्नर ने इसके लिए 15 पारियां खेली है। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान और जॉनी बेयरस्टो ने भी 4 अर्धशतक लगाए हैं, लेकिन रिजवान ने इसके लिए 11 पारियां लीं जबकि बेयरस्टो ने 13 पारियों में ये कारनामा किया। स्काई ने महज 5 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल की है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में बारिश के चलते साउथ अफ्रीका को 15 ओवर में 152 रन का लक्ष्य मिला है।

बावुमा और रबाडा भारत के खिलाफ टेस्ट से पहले घरेलू रेड-बॉल मैच नहीं खेलेंगे

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा और तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा घरेलू रेड-बॉल मैच में नहीं खेलेंगे। ये दोनों खिलाड़ी भारत के खिलाफ सीरीज का हिस्सा भी नहीं थे। प्रोटियाज टीम प्रबंधन चाहता था कि बावुमा और रबाडा को भारत के खिलाफ 26-30 दिसंबर तक सेंचुरियन में और 3-7 जनवरी, 2024 तक केप टाउन में होने वाले दो टेस्ट मैचों से पहले कुछ रेड-बॉल मैच अभ्यास मिले। ये दोनों टेस्ट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंकों के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। बावुमा और रबाडा को डरबन में प्रथम श्रेणी मैच में डॉल्फ़िन के खिलाफ लायंस के लिए खेलना था। लायंस के एक बयान में कहा गया, प्रोटियाज़ टेस्ट कप्तान बावुमा को एक निजी मामले के कारण बाहर रहना पड़ा जबकि रबाडा चोटिल हैं। रबाडा भारत में विश्व कप के बाद से एड़ी की समस्या से जूझ रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल के दौरान उनकी गेंदबाजी सीमित थी। दक्षिण अफ्रीका को अब अपनी तेज गेंदबाजी लाइन-अप पर संदेह का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एनरिक नॉर्टजे अभी भी पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर से उबर रहे हैं, जबकि लुंगी एनगिडी को बाएं टखने में मोच के कारण भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला से हटना पड़ा। दो अन्य तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्ज़ी और मार्को जेन्सन ने भारत के खिलाफ टी20 में अपनी भूमिका निभाई है। अब भारत के खिलाफ टेस्ट की तैयारी के लिए इस सप्ताह के रेड-बॉल घरेलू मैचों में खेल रहे हैं। दूसरी ओर, बावुमा को आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप सेमीफाइनल के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट एक्शन में देखा गया था, जहां उन्होंने हैमस्ट्रिंग की चोट के बावजूद हिस्सा लिया था।

विकलांगों-विधवाओं के बीच एकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है

राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ

राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ भारत का एक प्रमुख संगठन है जो विकलांग लोगों और विधवा महिलाओं के अधिकारों और कल्याण की वकालत करने के लिए समर्पित है। विभिन्न विकलांग व्यक्तियों और विधवा महिलाओं के बीच एकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ स्थापित, संगठन सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने, समावेशिता को बढ़ावा देने और अलग-अलग विकलांगों के लिए सहायता प्रदान करने के लिए अथक प्रयास करता है। राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ कई गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें जागरूकता अभियान, शैक्षिक पहल, कौशल विकास कार्यक्रम और विकलांग लोगों और विधवा महिलाओं के अधिकारों और समान अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत बदलावों की वकालत करना शामिल है। कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करके, संघ का लक्ष्य जनता को जागरूक करना, भेदभाव को संबोधित करना और विकलांग व्यक्तियों और विधवा महिलाओं के लिए एक अधिक समावेशी समाज बनाना है। उनके प्रयास विकलांग लोगों के लिए जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए चिकित्सा सहायता, सहायक उपकरण और पुनर्वास सहायता प्रदान करने तक विस्तारित हैं। संगठन एक ऐसा मंच बनाने का प्रयास करता है जहां विभिन्न क्षमताओं वाले व्यक्ति एक साथ आ सकें, अनुभव साझा कर सकें और सामूहिक रूप से अधिक सुलभ और मिलनसार दुनिया की दिशा में काम कर सकें। अपने बहुमुखी दृष्टिकोण और समर्पण के माध्यम से, राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ भारत में दिव्यांग समुदाय के लिए समर्थन, वकालत और एकता का प्रतीक बना हुआ है।

हमारा नजरिया : राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जहां विकलांग व्यक्तियों को न केवल शामिल किया जाए बल्कि पूरी तरह से एकीकृत, सम्मानित और सशक्त बनाया जाए। हमारा दृष्टिकोण एक ऐसी दुनिया का निर्माण करना है जहां हर व्यक्ति को, उनकी क्षमताओं की परवाह किए बिना, समान अवसर, संसाधनों तक पहुंच और एक सम्मानजनक और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक समर्थन मिले। हम बाधाओं को दूर करने, समावेशिता को बढ़ावा देने और विकलांग लोगों और विधवा महिलाओं के लिए अधिक दयालु और मिलनसार वातावरण बनाने के उद्देश्य से एकता, जागरूकता और वकालत को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं।

हमारा विशेष कार्य : राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ का मिशन विकलांग व्यक्तियों और विधवा महिलाओं को उनके अधिकारों की वकालत करना, समावेशिता को बढ़ावा देना और सहायता और संसाधन प्रदान करके सशक्त बनाना है। हम जागरूकता पैदा करने, शिक्षा को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य देखभाल और सहायक प्रौद्योगिकियों तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे मिशन में सामाजिक स्वीकृति की दिशा में काम करना, भेदभाव को खत्म करना और विकलांग लोगों और विधवा महिलाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के लिए एक मंच बनाना शामिल है। हमारा लक्ष्य एक अधिक न्यायसंगत और सुलभ समाज का निर्माण करना है जहां हर व्यक्ति, अपनी क्षमताओं के बावजूद, आगे बढ़ सके और सार्थक योगदान दे सके। राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ, 2 फरवरी, 2021 को अपनी स्थापना के बाद से पिछले एक दशक से भी अधिक समय में, यह ट्रस्ट अधिनियम 1882 के रूप में स्थापित हुआ है। राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ के अध्यक्ष के रूप में, इसके लिए प्रतिबद्ध संगठन का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। विकलांग व्यक्तियों और विधवा महिलाओं के अधिकारों और कल्याण की वकालत करने का नेक काम। हमारा मिशन एक ऐसे समाज के निर्माण में निहित है जो समावेशिता, सशक्तिकरण और सभी के लिए समान अवसरों को अपनाता है। हम बाधाओं को तोड़ने, पूर्वाग्रहों को खत्म करने और मार्ग प्रशस्त करने का प्रयास करते हैं एक अधिक मिलनसार दुनिया का रास्ता जहां दिव्यांग लोग फल-फूल सकें।

राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ, हम विकलांग व्यक्तियों और विधवा महिलाओं के बीच जागरूकता पैदा करने, सहायता प्रदान करने और एकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। हमारा लक्ष्य सशक्त बनाना, शिक्षित करना और उत्थान करना है, यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक व्यक्ति को, उनकी क्षमताओं के बावजूद, एक सम्मानजनक और पूर्ण जीवन जीने का मौका मिले।

आइए हम सब मिलकर विकलांग लोगों और विधवा महिलाओं के लिए एक अधिक न्यायसंगत, सुलभ और समझदार समाज बनाने की अपनी यात्रा जारी रखें, जहां उनकी क्षमता को पहचाना और मनाया जाए।

वर्ष 2022-23 का अवलोकन :

आज तक, संगठन द्वारा असम के दूरदराज के इलाकों में कई कार्यक्रम लागू किए गए हैं। संगठन के कार्यक्रमों की सफलता और इसकी गतिविधियों में जमीनी स्तर पर लोगों का भरपूर समर्थन संतोषजनक है, और इसके संचालन क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की प्रतिक्रिया और अपील 100 फीसदी सकारात्मक है।

संगठन द्वारा वर्ष भर में की गई/संचालन की गई गतिविधियां निम्नलिखित हैं।

1. कपड़ा वितरण कार्यक्रम : संगठन नागांव, होजाई और कार्बी आंग्लांग जिले के विकलांग व्यक्तियों और विधवा महिलाओं, बच्चों के क्षेत्र में कपड़े वितरित कर रहा है।

2. विपणन विस्तार : इस वर्ष संगठन कृषि उत्पादों की विपणन विस्तार सेवा का संचालन कर रहा है जहां वे संगठित तरीके से विभिन्न क्षेत्रों से विभिन्न कृषि उत्पादों को एकत्र करते हैं और इन वस्तुओं को लंका शहर, होजाई जिले, उन क्षेत्रों में बेचते हैं जहां वे खर्च कर सकते हैं। अधिक कीमतें हैं।

3. महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम और जागरूकता : महिलाएं समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समाज में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं को प्रोत्साहित करने और वंचित महिलाओं की जीवन स्थिति में सुधार लाने के लिए *राष्ट्रीय दिव्यांग एकता संघ* ने एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया है। असम के नगांव, होजाई, पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलों में महिला सशक्तिकरण पर। कार्यक्रम को महिला एवं बाल विकास विभाग, स्थानीय अस्पताल और जिला स्वास्थ्य कार्यालय के संसाधन व्यक्तियों द्वारा सुगम बनाया गया था। महिला सशक्तिकरण, परिवार नियोजन, महिला शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता और महिला श्रम उन्मूलन कार्यक्रम के विषय थे। कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए उपयोगी था और क्षेत्र में सफल रहा।

4. महिला सिलाई पाठ्यक्रम : संगठन उन्हें अपनी आजीविका कमाने में मदद करने के लिए महिला सिलाई पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। ताकि वे आत्मनिर्भर हो सकें। जिससे उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने और दूसरों पर निर्भर न रहने का अधिकार मिलता है। प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक रही है और लगभग 12 महिलाएं अब आत्मनिर्भर हैं और अपने घरेलू खर्चों में योगदान दे रही हैं।

5. वृक्षारोपण अभियान : संगठन ने कार्बी आंग्लांग जिले के गांवों के क्षेत्रों में वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस अभियान से कुल मिलाकर 5 गांव लाभान्वित हुए।

6. फल/वनस्पति संरक्षण प्रशिक्षण : संगठन ने पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले के हवाईपुर गांव में सामुदायिक डिब्बाबंदी और प्रशिक्षण केंद्र में एक सब्जी संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था, जहां 40 (चालीस) प्रशिक्षुओं ने भाग लिया और इससे लाभान्वित हुए। प्रशिक्षण।

7. कृषि गतिविधियां : कुछ लाभ प्राप्त करने के लिए बेरोजगार स्थानीय युवाओं की मदद से संगठन का गठन किया जाता है। वे कुछ मौसमी सब्जियों, फसलों आदि की खेती कर रहे हैं और इन्हें बेचने के बाद उन्हें लाभ मिलता है। मुनाफे से संस्था ने इलाके में कुछ विकास कार्य किए थे। संगठन ने इस वर्ष एन.सी.हिल के दियुंगब्रा डिडस्ट्रिक्ट में जैविक स्टेविया का रोपण किया।

8. विकलांग व्यक्तियों के लिए गतिविधियां : संगठन 3704 विकलांग व्यक्तियों को विकलांगता प्रमाण पत्र जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी करने में मदद करता है। हम असम के नगांव, होजाई और पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलों में विकलांग व्यक्तियों को रोजगार के अवसर भी प्रदान करते हैं।

9. विधवा और वृद्धावस्था के लिए कपड़ा वितरण कार्यक्रम : संगठन ने असम के नगांव, होजाई और पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलों में विधवाओं के लिए कपड़ा (सादी) और वृद्ध व्यक्तियों के लिए कुर्ता पायजामा का वितरण किया।

10. अन्य गतिविधियां : संगठन असम के नगांव, होजाई और पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलों में विकलांग व्यक्तियों और विधवा महिला सशक्तिकरण के कल्याण के लिए सभी सरकारी अधिकारियों का दौरा करता है।

वर्ष 2022-23 का अवलोकन

धूमधाम से मनाया गया एवरग्रीन म्यूजिक अवार्ड

आत्मा चौधरी

मुंबई। पिछले दिनों मुंबई के अंधेरी पश्चिम मेयर हाल में दविंदर खन्ना द्वारा आयोजित एवरग्रीन म्यूजिक अवार्ड बड़े धूम धाम से मनाया गया। संगीत के मामले में 50लोगो को सम्मानित किया गया। रुचि फिल्म के बैनर तले बनी पहली भोजपुरी फिल्म *नजरिया लड़ाके* के मधुर गानों के लिए गायिका खुशबू जैन को संगीतकार कीर्ति अनुराग के हाथो एवरग्रीन मियुजिक ट्रॉफी दी गई। इस गीत को गीतकार कमर हाजीपुरी ने लिखा है। संगीत सी वनबीर का है। निर्माता श्यामल चक्रवर्ती, टी ए चौधरी कार्यकारी निर्माता आत्मा चौधरी और निर्देशक त्रिलोकी चौधरी है। फिल्म के मुख्य कलाकारों में आकाश सिंह, प्रिया पांडे, हर्षित मूर्ति, नीलम नीलू, सत्यनारायण,अकबर अली और हिंदी फिल्म इनसाइड लव के हीरो अमित चौधरी के साथ कई कलाकार शामिल है। इस फिल्म को दर्शक भोजपुरिया मिर्ची के यूट्यूब पर टेलर और गाने सुन सकेंगे और देख संकेंगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**